



RACE IAS

A Leading Institute For Civil Services Examinations

ANSWERS & EXPLANATIONS
GENERAL STUDIES (P) 2025
ANCIENT HISTORY

EXAM DATE : 18-01-2025

QUESTIONS BOOKLET NO. : 8123 472505

1. Answer A

- Rajaraja destroyed the Chera navy at Trivandrum and attacked Quilon. He then conquered Madurai and captured the Pandyan king. He also invaded Sri Lanka and annexed its northern part to his empire. Hence statement 2 is not correct.
- The most famous of these was the Brihadishwara temple at Tanjore which was completed in 1010. The Chola rulers adopted the practice of having inscriptions written on the walls of these temples, giving a historical narrative of their victories. That is why we know a great deal more about the Cholas than their predecessors. Hence statement 3 is correct.
- One of the most remarkable exploits in the reign of Rajendra I was the march across Kalinga to Bengal in which the Chola armies crossed the river Ganga, and defeated two local kings. This expedition, which was led by a Chola general, took place in 1022 and followed in reverse the same route which the great conqueror Samudragupta had followed.
 - To commemorate this occasion, Rajendra I assumed the title of Gangaikondachola ('the Chola who conquered the Ganga'). He built a new capital near the mouth of the Kaveri river and called it Gangaikondacholapuram ('the city of the Chola who conquered the Ganga'). Hence statement 1 is not correct.

2. Answer C

- The Pandyas are first mentioned by Megasthenes, who says that their kingdom was celebrated for pearls. He also speaks of it being ruled by a woman, which suggests some matriarchal influence in Pandya society. Hence statement 1 is correct.
- The Pandya territory: Occupied the southernmost and the south-eastern portion of the Indian peninsula, and it roughly included the modern districts of Tirunelveli, Ramnad, and Madurai in Tamil Nadu, with its capital at Madurai. Hence statement 2 is not correct.
- The literature compiled in the Tamil academies in the early centuries of the Christian era and called the Sangam literature refers to the Pandya rulers, but it does not provide any coherent account. One or two Pandya conquerors are mentioned. However, this literature shows clearly that the state was wealthy and prosperous.

1. उत्तर ए

- राजराजा ने त्रिवेन्द्रम में चेर नौसेना को नष्ट कर दिया और किलोन पर हमला कर दिया। फिर उसने मदुरै पर विजय प्राप्त की और पांडियन राजा को पकड़ लिया। उसने श्रीलंका पर भी आक्रमण किया और उसके उत्तरी भाग को अपने साम्राज्य में मिला लिया। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- इनमें से सबसे प्रसिद्ध तंजौर का बृहदीश्वर मंदिर था जो 1010 में बनकर तैयार हुआ था। चोल शासकों ने इन मंदिरों की दीवारों पर अपनी जीत का ऐतिहासिक विवरण देने वाले शिलालेख लिखने की प्रथा को अपनाया। यही कारण है कि हम चोलों के बारे में उनके पूर्ववर्तियों से कहीं अधिक जानते हैं। अतः कथन 3 सही है।
- राजेंद्र प्रथम के शासनकाल में सबसे उल्लेखनीय कारनामों में से एक कलिंग से बंगाल तक का मार्च था जिसमें चोल सेनाओं ने गंगा नदी को पार किया और दो स्थानीय राजाओं को हराया। यह अभियान, जिसका नेतृत्व एक चोल सेनापति ने किया था, 1022 में हुआ और उसी मार्ग का उल्टा अनुसरण किया जिसका अनुसरण महान विजेता समुद्रगुप्त ने किया था।
 - इस अवसर को मनाने के लिए, राजेंद्र प्रथम ने गंगैकोंडचोल ('चोल जिसने गंगा पर विजय प्राप्त की') की उपाधि धारण की। उन्होंने कावेरी नदी के मुहाने के पास एक नई राजधानी बनाई और इसे गंगैकोंडचोलपुरम ('चोल का शहर जिसने गंगा पर विजय प्राप्त की') कहा। अतः कथन 1 सही नहीं है।

2. उत्तर सी

- पांड्यों का उल्लेख सबसे पहले मेगस्थनीज ने किया है, जो कहता है कि उनका साम्राज्य मोतियों के लिए मनाया जाता था। वह इस पर एक महिला द्वारा शासित होने की भी बात करता है, जो पांड्य समाज में कुछ मातृसत्तात्मक प्रभाव का सुझाव देता है। अतः कथन 1 सही है।
- पांड्य क्षेत्र: भारतीय प्रायद्वीप के सबसे दक्षिणी और दक्षिण-पूर्वी हिस्से पर कब्जा कर लिया, और इसमें मोटे तौर पर तमिलनाडु के तिरुनेलवेली, रामनाड और मदुरै के आधुनिक जिले शामिल थे, जिनकी राजधानी मदुरै थी। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- ईसाई युग की प्रारंभिक शताब्दियों में तमिल अकादमियों में संकलित साहित्य और जिसे संगम साहित्य कहा जाता है, पांड्य शासकों को संदर्भित करता है, लेकिन यह कोई सुसंगत विवरण प्रदान नहीं करता है। एक या दो पाण्ड्य विजेताओं का उल्लेख मिलता है। हालाँकि, यह साहित्य स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि राज्य समृद्ध और समृद्ध था।

3. Answer D

- Pushyabhutis or Vardhana dynasty of Thanesar: An important ruling family to gain prominence after the fall of the Gupta was the Pushyabhutis who had their capital at Thanesar (Thanesvara in Kurukshetra).
- The dynasty became influential with the accession of Prabhakara Vardhana, who was able to defeat the Hunas and strengthen his position in the regions of Punjab and Haryana. Hence, statement 1 is not correct.
- We have two valuable sources that throw important light on the life and times of Harshavardhana (606–647). These are Harshacarita written by his court poet Banabhatta and Si-Yu-Ki, the travel account of the Chinese Buddhist pilgrim Hsuan Tsang, who visited India during AD 629–644. Hence, statement 2 is not correct.
- But he was defeated by Pulakesin II, the Chalukya ruler, on the banks of river Narmada. The river thus became the southern boundary of his kingdom. The death of Harsha in AD 647 was followed by a political confusion that continued up to the eighth century when the Gurjara Pratiharas, the Rajput rulers, emerged as a big force in northern India. Hence, statement 3 is not correct.

4. Answer B

- The Kalpa Sutra and the Kalakacharya-Katha, the two very popular Jain texts were repeatedly written and illustrated with paintings.
- Kalakacharya Katha tells the story of a great Jain muni of the Shwetambar school called Kalak. His sister and he joined the Jain monastic order at an early age. He was extremely knowledgeable and she was extremely beautiful. Even though she was a nun, she was abducted by the king of Ujjaini.
- The story of Kalak Acharya Katha was added as an appendix to the Kalpasutra, which tells the story of the three types of special beings of the Jain universe: the heroic Vasudeva, the regal Chakravarthy, and the wise Tirthankaras. Kalpasutra describes the cosmogony of the Jain world.

3. उत्तर डी

- थानेसर का पुष्यभूति या वर्धन राजवंश: गुप्त के पतन के बाद प्रमुखता हासिल करने वाला एक महत्वपूर्ण शासक परिवार पुष्यभूति था जिनकी राजधानी थानेसर (कुरुक्षेत्र में थानेश्वर) में थी।
- प्रभाकर वर्धन के राज्यारोहण के साथ यह राजवंश प्रभावशाली हो गया, जो हूणों को हराने और पंजाब और हरियाणा के क्षेत्रों में अपनी स्थिति मजबूत करने में सक्षम था। इसलिए, कथन 1 सही नहीं है।
- हमारे पास दो मूल्यवान स्रोत हैं जो हर्षवर्द्धन (606-647) के जीवन और समय पर महत्वपूर्ण प्रकाश डालते हैं। ये उनके दरबारी कवि बाणभट्ट द्वारा लिखित हर्षचरित और चीनी बौद्ध तीर्थयात्री ह्वेन त्सांग का यात्रा वृत्तांत सी-यू-की हैं, जिन्होंने 629-644 ई. के दौरान भारत का दौरा किया था। इसलिए, कथन 2 सही नहीं है।
- लेकिन वह चालुक्य शासक पुलकेशिन द्वितीय से नर्मदा नदी के तट पर हार गया। इस प्रकार नदी उसके राज्य की दक्षिणी सीमा बन गई। 647 ई. में हर्ष की मृत्यु के बाद एक राजनीतिक भ्रम पैदा हुआ जो आठवीं शताब्दी तक जारी रहा जब राजपूत शासक, गुर्जर प्रतिहार, उत्तरी भारत में एक बड़ी ताकत के रूप में उभरे। इसलिए, कथन 3 सही नहीं है।

4. उत्तर बी

- कल्प सूत्र और कालकाचार्य-कथा, दो बहुत लोकप्रिय जैन ग्रंथ बार-बार लिखे गए और चित्रों के साथ चित्रित किए गए।
- कलाकाचार्य कथा श्वेतांबर संप्रदाय के एक महान जैन मुनि कलाक की कहानी बताती है। उनकी बहन और वह कम उम्र में ही जैन मठ में शामिल हो गए। वह अत्यंत ज्ञानी था और वह अत्यंत सुंदर थी। भिक्षुणी होते हुए भी उज्जयिनी के राजा ने उसका अपहरण कर लिया था।
- कलाक आचार्य कथा की कहानी को कल्पसूत्र के परिशिष्ट के रूप में जोड़ा गया था, जो जैन ब्रह्मांड के तीन प्रकार के विशेष प्राणियों की कहानी बताता है: वीर वासुदेव, राजसी चक्रवर्ती और बुद्धिमान तीर्थकर। कल्पसूत्र जैन जगत के ब्रह्माण्ड विज्ञान का वर्णन करता है।

5. Answer B

- The Mauryan Empire had an efficient and centralized administrative system. The chief source of information regarding administration under the Mauryan Empire is Chanakya's work, Arthashastra. Megasthenes also gives some information in his book Indika.
- Revenue in the Mauryan Empire was collected on land, irrigation, shops, customs, forests, ferries, mines, and pastures. License fees were collected from artisans and fines were charged in the law courts. The Mauryas attached greater importance to assessment than to storage and depositing. The samaharta was the highest executive official in charge of assessment and the sannidhata was the chief custodian of the state treasury and storehouse.

6. Answer B

- The teachings of Buddha form the core of Buddhism. Buddhism did not recognize the existence of God. Buddhism accepts the idea of transmigration (samsara) but rejects the idea of the eternal atman (soul).
- Buddhism does believe in the theory of rebirth. According to Buddhism rebirth is governed by the cumulative results of the karma of a particular life. Karma means intentions that lead to actions of body, speech, or mind.

7. Answer A

- Chaityas were the places of worship and congregation while viharas were the places of residents of Buddhist monks. Hence both statements 1 and 2 are not correct.
- In western India, many Buddhist caves dating back to the second century BCE onwards have been excavated. The front of the chaitya hall is dominated by the motif of a semi-circular chaitya arch with an open front that has a wooden facade and, in some cases, there is no dominating chaitya arch window such as found at Kondivite. In all the chaitya caves a stupa at the back is common. Hence statement 3 is correct.

5. उत्तर बी

- मौर्य साम्राज्य में एक कुशल और केंद्रीकृत प्रशासनिक व्यवस्था थी। मौर्य साम्राज्य के तहत प्रशासन के संबंध में जानकारी का मुख्य स्रोत चाणक्य का काम, अर्थशास्त्र है। मेगस्थनीज ने अपनी पुस्तक इंडिका में भी कुछ जानकारी दी है।
- मौर्य साम्राज्य में राजस्व भूमि, सिंचाई, दुकानों, सीमा शुल्क, जंगलों, घाटों, खानों और चरागाहों पर एकत्र किया जाता था। कारीगरों से लाइसेंस शुल्क वसूला जाता था और अदालतों में जुर्माना वसूला जाता था। मौर्यों ने भंडारण और जमा करने की तुलना में मूल्यांकन को अधिक महत्व दिया। समाहर्ता मूल्यांकन का प्रभारी सर्वोच्च कार्यकारी अधिकारी था और सन्नधिघाता राज्य के खजाने और भंडारगृह का मुख्य संरक्षक था।

6. उत्तर बी

- बुद्ध की शिक्षाएँ बौद्ध धर्म का मूल हैं। बौद्ध धर्म ईश्वर के अस्तित्व को नहीं मानता था। बौद्ध धर्म स्थानांतरण (संसार) के विचार को स्वीकार करता है लेकिन शाश्वत आत्मा के विचार को अस्वीकार करता है।
- बौद्ध धर्म पुनर्जन्म के सिद्धांत में विश्वास करता है। बौद्ध धर्म के अनुसार पुनर्जन्म किसी विशेष जीवन के कर्मों के संचयी परिणामों से नियंत्रित होता है। कर्म का अर्थ है वे इरादे जो शरीर, वाणी या मन के कार्यों की ओर ले जाते हैं।

7. उत्तर ए

- चैत्य पूजा और मण्डली के स्थान थे जबकि विहार बौद्ध भिक्षुओं के निवास स्थान थे। अतः कथन 1 और 2 दोनों सही नहीं हैं।
- पश्चिमी भारत में ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी के बाद की कई बौद्ध गुफाओं की खुदाई की गई है। चैत्य हॉल के सामने एक खुले मोर्चे के साथ एक अर्ध-गोलाकार चैत्य मेहराब की आकृति का प्रभुत्व है, जिसमें एक लकड़ी का मुखौटा है और, कुछ मामलों में, कोई प्रमुख चैत्य मेहराब खिड़की नहीं है, जैसा कि कोण्डिवाइट में पाया जाता है। सभी चैत्य गुफाओं में पीछे की ओर एक स्तूप होना आम बात है। अतः कथन 3 सही है।

8. Answer B

- The Chalcolithic age began in different parts of India, after the Neolithic age. During this people used metal (copper) for the first time. Hence it is known as the stone copper age. However, people were not aware of the art of writing during this period and no specimens of the pictographic script have been found. The pictographic script belongs to the Indus Valley Civilization. Hence statement 1 is not correct and statement 3 is correct.
- The Chalcolithic people had a better knowledge of agriculture compared to the Neolithic culture and thus cultivated far more crops than the latter. In particular, they cultivated barley, wheat, and lentil in western India, and rice in southern and eastern India. Their cereal food was supplemented by non-vegetarian food. Hence statement 2 is correct.

9. Answer A

- Satavahanas became prominent in the Indian political scene sometime in the middle of the first century BC. Gautamiputra Satakarni (first century AD) is considered to be the greatest of the Satavahana rulers. He is credited with the extension of Satavahana dominions by defeating Nahapana, the Shaka ruler of Western India. Simuka was the founder of the Satavahana Dynasty. Hence, statement 3 is not correct.

Satavahana Society:

- The Satavahanas originally seem to have been a Deccan tribe. They however were so brahmanized that they claimed to be Brahmanas. Their most famous king, Gautamiputra Satakarni, described himself as a brahmana and claimed to have established the four fold varna system which had fallen into disorder. He boasted that he had put an end to the intermixture between the people of different social orders. He considered it their primary duty to uphold the varna system i.e. the fourfold division of social structure. Hence, statement 2 is not correct.
- Indigenous tribal people were increasingly acculturated by the Buddhist monks who were induced by land grants to settle in western Deccan. It is suggested that traders too supported the Buddhist monks, for the earliest caves seen to have been located on the trade routes.
- Satavahanas kings were the first in Indian history to make tax-free land grants to Buddhists and Brahmanas to gain religious merit. This practice became more prominent in succeeding periods. Hence, statement 1 is correct.



8. उत्तर बी

- नवपाषाण युग के बाद भारत के विभिन्न हिस्सों में ताम्रपाषाण युग की शुरुआत हुई। इस दौरान लोगों ने पहली बार धातु (तांबा) का प्रयोग किया। इसलिए इसे पाषाण ताम्र युग के नाम से जाना जाता है। हालाँकि, इस काल में लोग लेखन कला से परिचित नहीं थे और चित्रात्मक लिपि का कोई नमूना भी नहीं मिला है। चित्रात्मक लिपि सिंधु घाटी सभ्यता से संबंधित है। अतः कथन 1 सही नहीं है और कथन 3 सही है।
- ताम्रपाषाणिक लोगों को नवपाषाणकालीन संस्कृति की तुलना में कृषि का बेहतर ज्ञान था और इस प्रकार वे नवपाषाणकालीन संस्कृति की तुलना में कहीं अधिक फसलें उगाते थे। विशेष रूप से, वे पश्चिमी भारत में जौ, गेहूँ और मसूर की खेती करते थे, और दक्षिणी और पूर्वी भारत में चावल की खेती करते थे। उनके अनाज के भोजन की पूर्ति मांसाहारी भोजन से होती थी। अतः कथन 2 सही है।

9. उत्तर ए

पहली शताब्दी ईसा पूर्व के मध्य में सातवाहन भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में प्रमुख हो गए। गौतमीपुत्र सातकर्ण (प्रथम शताब्दी ई.) को सातवाहन शासकों में सबसे महान माना जाता है। उन्हें पश्चिमी भारत के शक शासक नहपान को हराकर सातवाहन प्रभुत्व के विस्तार का श्रेय दिया जाता है। सिमुक सातवाहन वंश का संस्थापक था। इसलिए, कथन 3 सही नहीं है।

सातवाहन समाज:

- ऐसा प्रतीत होता है कि सातवाहन मूलतः दक्कन जनजाति थे। हालाँकि वे इतने ब्राह्मणीकृत थे कि वे ब्राह्मण होने का दावा करते थे। उनके सबसे प्रसिद्ध राजा, गौतमीपुत्र सातकर्ण ने खुद को एक ब्राह्मण बताया और दावा किया कि उन्होंने चार वर्ण व्यवस्था की स्थापना की थी, जो अव्यवस्थित हो गई थी। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने विभिन्न सामाजिक व्यवस्था के लोगों के बीच मेलजोल को खत्म कर दिया है। उन्होंने वर्ण व्यवस्था यानी सामाजिक संरचना के चार गुना विभाजन को बनाए रखना अपना प्राथमिक कर्तव्य माना। इसलिए, कथन 2 सही नहीं है।
- पश्चिमी दक्कन में बसने के लिए भूमि अनुदान से प्रेरित बौद्ध भिक्षुओं द्वारा स्वदेशी जनजातीय लोगों को तेजी से संस्कारित किया गया। यह सुझाव दिया गया है कि व्यापारियों ने भी बौद्ध भिक्षुओं का समर्थन किया था, क्योंकि ऐसा प्रतीत होता है कि प्रारंभिक गुफाएँ व्यापार मार्गों पर स्थित थीं।
- सातवाहन राजा भारतीय इतिहास में धार्मिक योग्यता हासिल करने के लिए बौद्धों और ब्राह्मणों को कर-मुक्त भूमि अनुदान देने वाले पहले राजा थे। आने वाले समय में यह प्रथा और अधिक प्रमुख हो गई। अतः, कथन 1 सही है।



10. Answer A

- Many of the Sangam texts, including the didactic ones, were written by the brahmana scholars of Prakrit or Sanskrit. The didactic texts cover the early centuries of the Christian era and prescribe a code of conduct not only for the king and his court but also for the various social groups and occupations.
- These categories could have been possible only after the fourth century when Brahmanas rose in number under the Pallavas. The texts also refer to grants of villages, and also to the descent of kings from the solar and lunar dynasties. Besides the Sangam texts, we have a text called Tolkkappiyam, which deals with grammar and poetics. Hence pair 1 is not correctly matched.
- Another important Tamil text deals with philosophy and wise maxims and is called Tirukkural. Hence pair 2 is not correctly matched.
- The other epic, Manimekalai, was written by a grain merchant of Madurai. It deals with the adventures of the daughter born of the union of Kovalan and Madhavi. Hence pair 3 is correctly matched.

11. Answer B

- This image of the Buddha from Sarnath belonging to the late fifth century CE is housed in the site museum at Sarnath.
 - It has been made in Chunar sandstone.
 - The Buddha is shown seated on a throne in the padmasana. Hence statement 2 is correct.
 - It represents dhammachakrapravartana. Hence statement 1 is correct. The panel below the throne depicts a chakra (wheel) in the center and a deer on either side with his disciples. Thus, it is the representation of the historical event of dhammachakrapravartana or the preaching of the dhamma.
- The face is round, the eyes are half-closed, the lower lip is protruding, and the roundness of the cheeks has reduced as compared to the earlier images from the Kushana Period at Mathura. Hence statement 3 is not correct.

10. उत्तर ए

- उपदेशात्मक समेत संगम के कई ग्रंथ प्राकृत या संस्कृत के ब्राह्मण विद्वानों द्वारा लिखे गए थे। उपदेशात्मक ग्रंथ ईसाई युग की प्रारंभिक शताब्दियों को कवर करते हैं और न केवल राजा और उसके दरबार के लिए बल्कि विभिन्न सामाजिक समूहों और व्यवसायों के लिए भी आचार संहिता निर्धारित करते हैं।
- ये श्रेणियाँ चौथी शताब्दी के बाद ही संभव हो सकीं जब पल्लवों के अधीन ब्राह्मणों की संख्या बढ़ी। ग्रंथों में गांवों के अनुदान और सौर और चंद्र राजवंशों के राजाओं के वंश का भी उल्लेख है। संगम ग्रंथों के अलावा, हमारे पास तोल्ककप्पियम नामक एक ग्रंथ है, जो व्याकरण और काव्यशास्त्र से संबंधित है। इसलिए जोड़ी 1 सही ढंग से सुमेलित नहीं है।
- एक अन्य महत्वपूर्ण तमिल पाठ दर्शन और बुद्धिमान सिद्धांतों से संबंधित है और इसे तिरुक्कुरल कहा जाता है। इसलिए जोड़ी 2 सही ढंग से मेल नहीं खाती है।
- दूसरा महाकाव्य, मणिमेकलाई, मदुरै के एक अनाज व्यापारी द्वारा लिखा गया था। यह कोवलन और माधवी के मिलन से जन्मी बेटी के कारनामों से संबंधित है। अतः जोड़ी 3 सही सुमेलित है।

11. उत्तर बी

- सारनाथ की बुद्ध की यह प्रतिमा पांचवीं शताब्दी के उत्तरार्ध की है, जिसे सारनाथ के संग्रहालय में रखा गया है।
 - इसका निर्माण चुनार के बलुआ पत्थर से किया गया है।
 - बुद्ध को सिंहासन पर पद्मासन में बैठे हुए दिखाया गया है। अतः कथन 2 सही है।
 - यह धम्मचक्रप्रवर्तन का प्रतिनिधित्व करता है। अतः कथन 1 सही है। सिंहासन के नीचे के पैनाल में केंद्र में एक चक्र (पहिया) और दोनों तरफ एक हिरण अपने शिष्यों के साथ दर्शाया गया है। इस प्रकार, यह धम्मचक्रप्रवर्तन या धम्म के उपदेश की ऐतिहासिक घटना का प्रतिनिधित्व है।
- चेहरा गोल है, आंखें आधी बंद हैं, निचला होंठ बाहर निकला हुआ है और गालों की गोलाई मथुरा में कुषाण काल की पिछली छवियों की तुलना में कम हो गई है। अतः कथन 3 सही नहीं है।

12. Answer C

- The captains of the army were invested with the title of enadi at a formal ceremony. However, we have no clear idea about the vaishyas. Civil and military offices were held under both the Cholas and Pandyas by vellalas or rich peasants. Hence statement 1 is correct.
- Agricultural operations were generally the task of members of the lowest class (kadaiyiar), whose status appears to have differed little from that of slaves. Some artisans were not differentiated from agricultural labourers. The pariyars were agricultural labourers who also worked with animal skins and used them as mats. Hence statement 2 is correct.
- Several outcastes and forest tribes suffered from extreme poverty and lived from hand to mouth. We notice sharp social inequalities in the Sangam age. The rich lived in houses of brick and mortar, and the poor in huts and humbler dwellings. Hence statement 3 is correct.

13. Answer C

Basohli:

- The earliest center of painting in the Pahari region was Basohli where under the patronage of Raja Kripal Pal, an artist named Devidasa executed miniatures in the form of the Rasamanjari illustrations in 1694 A.D. Hence statement 1 is correct.

Kangra:

- The Kangra style developed out of the Guler style. It possesses the main characteristics of the latter style, like the delicacy of drawing and the quality of naturalism. Hence statement 2 is correct.

12. उत्तर सी

- एक औपचारिक समारोह में सेना के कप्तानों को एनाडी की उपाधि से सम्मानित किया गया। हालाँकि, वैश्यों के बारे में हमें कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। चोल और पांड्य दोनों के अधीन नागरिक और सैन्य कार्यालय वेल्लाला या अमीर किसानों के पास थे। अतः कथन 1 सही है।
- कृषि कार्य आम तौर पर निम्नतम वर्ग (कदैसियार) के सदस्यों का कार्य था, जिनकी स्थिति दासों से बहुत कम भिन्न प्रतीत होती थी। कुछ कारीगरों को खेतिहर मजदूरों से अलग नहीं किया जाता था। परिवार खेतिहर मजदूर थे जो जानवरों की खाल से भी काम करते थे और उन्हें चटाई के रूप में इस्तेमाल करते थे। अतः कथन 2 सही है।
- कई बहिष्कृत जातियाँ और वन जनजातियाँ अत्यधिक गरीबी से पीड़ित थीं और उन्हें गरीबी से जूझना पड़ता था। हम संगम युग में तीव्र सामाजिक असमानताओं को देखते हैं। अमीर ईंट और गारे के घरों में रहते थे, और गरीब झोपड़ियों और साधारण आवासों में रहते थे। अतः कथन 3 सही है।

13. उत्तर सी

बसोहली:

- पहाड़ी क्षेत्र में चित्रकला का सबसे प्रारंभिक केंद्र बसोहली था जहां राजा कृपाल पाल के संरक्षण में देवीदास नामक कलाकार ने 1694 ई. में रसमंजरी चित्रण के रूप में लघुचित्र बनाए। इसलिए कथन 1 सही है।

कांगड़ा:

- कांगड़ा शैली का विकास गुलेर शैली से हुआ। इसमें बाद की शैली की मुख्य विशेषताएं हैं, जैसे ड्राइंग की नाजुकता और प्रकृतिवाद की गुणवत्ता। अतः कथन 2 सही है।



14. Answer C

- The Mauryan empire was founded by Chandragupta Maurya in 321/324 BCE by overthrowing the Nanda dynasty. Chandragupta established control over the northwest but also the Ganga plains, western India and the Deccan. Hence statement 1 is correct.
- The Sudarshana lake belongs to the Mauryan period. The Junagadh inscription (150 CE) of Rudradaman records the beginning of the construction of a water reservoir known as Sudarshana lake in the 4th century BCE during the time of the Maurya emperor Chandragupta, its completion during the reign of Ashoka, and its repair in the 2nd century CE. Hence statement 2 is correct.
- The Mauryan empire declined rapidly after Ashoka. The Mauryan dynasty came to an end with the last kind of Brihadratha being killed by his own military commander Pushyamitra, who then established the Shunga dynasty in c.187 BCE. Hence statement 3 is correct.

15. Answer B

- Statement 1 is not correct: Early Jain Tirthankar images and portraits of kings are found at Mathura. Images of Vaishnava (mainly Vishnu and his various forms) and Shaiva (mainly the lingas and mukhalingas) faiths are also found at Mathura but Buddhist images are found in large numbers. It may be noted that the images of Vishnu and Shiva are represented by their ayudhas (weapons).
- Statement 2 is correct: The Kushans brought together masons and other artisans trained in different schools and countries. Indian craftsmen came in contact with the Greeks and the Romans, especially in the northwest frontier in Gandhara giving rise to the Gandhara school of art which had a strong Greco-Roman influence.
- Statement 3 is correct: The Gandhara art spread to many regions thereby influencing various local schools like Mathura and Sarnath. Mathura school produced many Buddha images but was also famous for the headless erect statue of Kanishka whose name is inscribed on its lower part.

14. उत्तर सी

- मौर्य साम्राज्य की स्थापना चंद्रगुप्त मौर्य ने 321/324 ईसा पूर्व में नंद वंश को उखाड़ कर की थी। चंद्रगुप्त ने उत्तर-पश्चिम के अलावा गंगा के मैदानी इलाकों, पश्चिमी भारत और दक्कन पर भी नियंत्रण स्थापित किया। अतः कथन 1 सही है।
- सुदर्शन झील मौर्य काल की है। रुद्रदामन के जूनागढ़ शिलालेख (150 ई.पू.) में चौथी शताब्दी ईसा पूर्व में मौर्य सम्राट चंद्रगुप्त के समय में सुदर्शन झील के नाम से जाने जाने वाले जलाशय के निर्माण की शुरुआत, अशोक के शासनकाल के दौरान इसके पूरा होने और बाद में इसकी मरम्मत का रिकॉर्ड है। दूसरी शताब्दी ई.पू. अतः कथन 2 सही है।
- अशोक के बाद मौर्य साम्राज्य का तेजी से पतन हुआ। मौर्य वंश का अंत बृहद्रथ के अंतिम प्रकार के साथ उसके ही सैन्य कमांडर पुष्यमित्र द्वारा मारे जाने के साथ हुआ, जिसने 187 ईसा पूर्व में शुंग राजवंश की स्थापना की। अतः कथन 3 सही है।

15. उत्तर बी

- कथन 1 सही नहीं है: प्रारंभिक जैन तीर्थंकर प्रतिमाएँ और राजाओं के चित्र मथुरा में पाए जाते हैं। वैष्णव (मुख्य रूप से विष्णु और उनके विभिन्न रूप) और शैव (मुख्य रूप से लिंग और मुखलिंग) संप्रदायों की छवियाँ भी मथुरा में पाई जाती हैं लेकिन बौद्ध छवियाँ बड़ी संख्या में पाई जाती हैं। यह ध्यान दिया जा सकता है कि विष्णु और शिव की छवियाँ उनके आयुधों (हथियारों) द्वारा दर्शायी जाती हैं।
- कथन 2 सही है: कुषाणों ने विभिन्न स्कूलों और देशों में प्रशिक्षित राजमिस्त्री और अन्य कारीगरों को एक साथ लाया। भारतीय शिल्पकार यूनानियों और रोमनों के संपर्क में आए, विशेषकर गांधार के उत्तर-पश्चिमी सीमांत में, जिससे गांधार कला विद्यालय का उदय हुआ, जिस पर ग्रीको-रोमन का गहरा प्रभाव था।
- कथन 3 सही है: गांधार कला कई क्षेत्रों में फैल गई, जिससे मथुरा और सारनाथ जैसे विभिन्न स्थानीय स्कूल प्रभावित हुए। मथुरा स्कूल ने कई बुद्ध प्रतिमाओं का निर्माण किया, लेकिन यह कनिष्क की बिना सिर वाली सीधी प्रतिमा के लिए भी प्रसिद्ध था, जिसका नाम इसके निचले हिस्से पर खुदा हुआ है।

16. Answer B

- Statement 1 is correct: The shape of the main temple tower known as vimana in Tamil Nadu is like a stepped pyramid that rises up geometrically rather than the curving shikhara of North India. In the South Indian temple, the word 'shikhara' is used only for the crowning element at the top of the temple which is usually shaped like a small stupa or an octagonal cupola— this is equivalent to the amlak and kalasha of North Indian temples.
- Statement 2 is not correct: At the entrance to the North Indian temple's garbhagriha, it would be usual to find images such as mithunas and the river goddesses, Ganga and Yamuna, in the south you will generally find sculptures of fierce dvarapalas or the door-keepers guarding the temple. It is common to find a large water reservoir, or a temple tank, enclosed within the complex in the Dravida style temple.
- Statement 3 is correct: At some of the most sacred temples in South India, the main temple in which the garbhagriha is situated has, in fact, one of the smallest towers. This is because it is usually the oldest part of the temple.

17. Answer D

- The shore temple at Mahabalipuram was built later, probably in the reign of Narasimhavarman II, also known as Rajasimha who reigned from 700 to 728 CE. Hence statement 1 is not correct.
- It is oriented to the east-facing ocean, but if you study it closely, you will find that it actually houses three shrines, two to Shiva, one facing east and the other west, and a middle one to Vishnu who is shown as Anantashayana. This is unusual because temples generally have a single main shrine and not three areas of worship. Hence statement 2 is not correct.



16. उत्तर बी

- कथन 1 सही है: तमिलनाडु में विमान के नाम से जाने जाने वाले मुख्य मंदिर के टॉवर का आकार एक सीढ़ीदार पिरामिड जैसा है जो उत्तर भारत के घुमावदार शिखर के बजाय ज्यामितीय रूप से ऊपर उठता है। दक्षिण भारतीय मंदिर में, 'शिखर' शब्द का उपयोग केवल मंदिर के शीर्ष पर मुकुट तत्व के लिए किया जाता है, जिसका आकार आमतौर पर एक छोटे स्तूप या अष्टकोणीय गुंबद जैसा होता है - यह उत्तर भारतीय मंदिरों के अमलक और कलश के बराबर है।
- कथन 2 सही नहीं है: उत्तर भारतीय मंदिर के गर्भगृह के प्रवेश द्वार पर, मिथुन और नदी देवी, गंगा और यमुना जैसी छवियां मिलना आम बात होगी, दक्षिण में आपको आमतौर पर भयंकर द्वारपाल या द्वार की मूर्तियां मिलेंगी- मंदिर की रखवाली करने वाले रखवाले। द्रविड़ शैली के मंदिर में परिसर के भीतर एक बड़ा जलाशय या मंदिर टैंक पाया जाना आम बात है।
- कथन 3 सही है: दक्षिण भारत के कुछ सबसे पवित्र मंदिरों में, मुख्य मंदिर जिसमें गर्भगृह स्थित है, वास्तव में, सबसे छोटे टावरों में से एक है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह आमतौर पर मंदिर का सबसे पुराना हिस्सा है।

17. उत्तर डी

- महाबलीपुरम में तटवर्ती मंदिर बाद में बनाया गया था, संभवतः नरसिंहावर्मन द्वितीय के शासनकाल में, जिन्हें राजसिंहा के नाम से भी जाना जाता है, जिन्होंने 700 से 728 ईस्वी तक शासन किया था। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- यह पूर्व की ओर मुख वाले महासागर की ओर उन्मुख है, लेकिन यदि आप इसका बारीकी से अध्ययन करते हैं, तो आप पाएंगे कि इसमें वास्तव में तीन मंदिर हैं, दो शिव के, एक पूर्व की ओर और दूसरा पश्चिम की ओर, और बीच वाला विष्णु का, जिन्हें अनंतशयन के रूप में दिखाया गया है। यह असामान्य है क्योंकि मंदिरों में आम तौर पर एक ही मुख्य मंदिर होता है न कि तीन पूजा क्षेत्र। अतः कथन 2 सही नहीं है।



18. Answer D

- The Hunas, who came to India towards the close of the fifth century, eventually came to be recognized as one of the thirty-six clans of the Rajputs. Even now some Rajputs bear the title Hun. The other reason for the increase in the number of castes was the absorption of many tribal people into brahmanical society through the process of land grants. Hence option (d) is the correct answer.

19. Answer C

- The Gupta rulers gave patronage to Bhagvatism. But they were tolerant of other religions too. The Chinese pilgrims Fa Hien and Hsuan Tsang, who came to India during the reign of Chandragupta II and Harsha respectively, clearly give the impression that Buddhism was also flourishing. Hence, statement 2 is not correct.
- According to Hsuan Tsang, the revenues of one hundred villages supported it. Bhagvatism centered on the worship of Vishnu and his incarnations. It emphasized bhakti (loving devotion) and ahimsa (non-killing of animals) rather than Vedic rituals and sacrifices. The new religion was quite liberal and assimilated the lower classes into its fold. Hence, statement 1 is correct.
- It did not believe in any caste or gender bias and admitted both women and Shudras in its ranks. It emphasized 'female' as a source of power and energy. The Tantrik concepts affected Shaivism and Vaishnavism as well as Buddhism and Jainism. It resulted in the introduction of the worship of female deities in these religions. Hence, statement 3 is correct.

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



18. उत्तर डी

हूण, जो पाँचवीं शताब्दी के अंत में भारत आए, अंततः राजपूतों के छत्तीस कुलों में से एक के रूप में पहचाने जाने लगे। अब भी कुछ राजपूत हूण उपाधि धारण करते हैं। जातियों की संख्या में वृद्धि का दूसरा कारण भूमि अनुदान की प्रक्रिया के माध्यम से कई आदिवासी लोगों का ब्राह्मणवादी समाज में समाहित होना था। अतः विकल्प (डी) सही उत्तर है।

19. उत्तर सी

- गुप्त शासकों ने भागवतवाद को संरक्षण दिया। लेकिन वे अन्य धर्मों के प्रति भी सहिष्णु थे। चीनी तीर्थयात्री फाह्यान और ह्वेनसांग, जो क्रमशः चंद्रगुप्त द्वितीय और हर्ष के शासनकाल के दौरान भारत आए थे, स्पष्ट रूप से यह आभास देते हैं कि बौद्ध धर्म भी फल-फूल रहा था। इसलिए, कथन 2 सही नहीं है।
- ह्वेनसांग के अनुसार, एक सौ गाँवों के राजस्व ने इसका समर्थन किया। भागवतवाद विष्णु और उनके अवतारों की पूजा पर केंद्रित था। इसमें वैदिक अनुष्ठानों और बलिदानों के बजाय भक्ति (प्रेमपूर्ण भक्ति) और अहिंसा (जानवरों की हत्या न करना) पर जोर दिया गया। नया धर्म काफी उदार था और उसने निम्न वर्गों को अपने में समाहित कर लिया। अतः, कथन 1 सही है।
- यह किसी भी जाति या लिंग पूर्वाग्रह में विश्वास नहीं करता था और महिलाओं और शूद्रों दोनों को अपने वर्ग में स्वीकार करता था। इसमें शक्ति और ऊर्जा के स्रोत के रूप में 'महिला' पर जोर दिया गया। तांत्रिक अवधारणाओं ने शैववाद और वैष्णववाद के साथ-साथ बौद्ध धर्म और जैन धर्म को भी प्रभावित किया। इसके परिणामस्वरूप इन धर्मों में महिला देवताओं की पूजा की शुरुआत हुई। अतः, कथन 3 सही है।



20. Answer D

- Statement 1 is not correct: Karaikkal Ammaiyyar was a great devotee of Lord Shiva.
- Statement 2 is correct: Karaikkal Ammaiyyar followed the course of intense asceticism to gain her goal. She is one of the three women saints among the 63 Nayanars and is considered one of the greatest figures of Tamil literature. Her compositions were preserved within the Nayanar tradition.

21. Answer A

- The Rig Vedic society (1500 B.C. to 1000 B.C) was pastoral, cattle rearing being the dominant occupational activity. A pastoral society relies more on its animal wealth than on agricultural produce. Thus, Cattle rearing rather than agriculture was of overwhelming importance during this period. Hence statement 1 is correct.
- The most important divinity in the Rig Veda is Indra, who is called Purandara or destroyer of dwelling units. Indra played the role of a warlord, leading the Aryan soldiers to victory against the demons, and has 250 hymns devoted to him. Hence statement 3 is correct.
- In the post-Rig Vedic times, two other collections, the Yajur Veda Samhita and Atharva Veda Samhita were composed. Hence statement 2 is not correct.

22. Answer C

- Panini was a grammarian who lived in the 5th or 4th century BCE. He composed Ashtadhyayi, which is the oldest surviving Sanskrit grammar. It represents a brilliant intellectual achievement. It sums up the rules of Sanskrit grammar in 3,996 aphorisms (sutras)— short, highly compressed, and condensed statements—combining brevity with clarity and comprehensive coverage. Hence statement 1 is correct.
- Aryabhatta (AD 476-500) and Varahamihra (6th century AD) contributed to the development of mathematics and astronomy in ancient India.
- They were much younger than Panini who belonged to the 5th or 4th century BCE.
- Thus Panin's work was not influenced by Aryabhatta and Varahamihra. Hence statement 2 is not correct.

20. उत्तर डी

- कथन 1 सही नहीं है: कराईक्कल अम्मैयार भगवान शिव के बहुत बड़े भक्त थे।
- कथन 2 सही है: कराईक्कल अम्मैयार ने अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए गहन तपस्या का मार्ग अपनाया। वह 63 नयनारों में से तीन महिला संतों में से एक हैं और उन्हें तमिल साहित्य की सबसे महान हस्तियों में से एक माना जाता है। उनकी रचनाएँ नयनार परंपरा के भीतर संरक्षित थीं।

21. उत्तर ए

- ऋग्वैदिक समाज (1500 ईसा पूर्व से 1000 ईसा पूर्व) देहाती था, पशुपालन प्रमुख व्यावसायिक गतिविधि थी। एक देहाती समाज कृषि उपज की तुलना में अपने पशु धन पर अधिक निर्भर करता है। इस प्रकार, इस अवधि के दौरान कृषि के बजाय पशुपालन का अत्यधिक महत्व था। अतः कथन 1 सही है।
- ऋग्वेद में सबसे महत्वपूर्ण देवता इंद्र हैं, जिन्हें पुरंदर या निवास इकाइयों का विध्वंसक कहा जाता है। इंद्र ने एक सरदार की भूमिका निभाई, जिसने आर्य सैनिकों को राक्षसों के खिलाफ जीत दिलाई, और उनके लिए 250 भजन समर्पित हैं। अतः कथन 3 सही है।
- ऋग्वैदिक काल के बाद, दो अन्य संग्रह, यजुर्वेद संहिता और अथर्ववेद संहिता की रचना की गई। अतः कथन 2 सही नहीं है।

22. उत्तर सी

- पाणिनि एक व्याकरणविद् थे जो 5वीं या 4थी शताब्दी ईसा पूर्व में रहते थे। उन्होंने अष्टाध्यायी की रचना की, जो सबसे पुराना जीवित संस्कृत व्याकरण है। यह एक शानदार बौद्धिक उपलब्धि का प्रतिनिधित्व करता है। यह 3,996 सूक्तियों (सूत्रों) में संस्कृत व्याकरण के नियमों को सारांशित करता है - संक्षिप्त, अत्यधिक संपीड़ित और संक्षिप्त कथन - स्पष्टता और व्यापक कवरेज के साथ संक्षिप्तता का संयोजन। अतः कथन 1 सही है।
- आर्यभट्ट (476-500 ई.) और वराहमिह (छठी शताब्दी ई.) ने प्राचीन भारत में गणित और खगोल विज्ञान के विकास में योगदान दिया।
- वे पाणिनि से बहुत छोटे थे जो ईसा पूर्व 5वीं या 4थी शताब्दी के थे।
- इस प्रकार पैनिन का कार्य आर्यभट्ट और वराहमिहिर से प्रभावित नहीं था। अतः कथन 2 सही नहीं है।

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



23. Answer C

- The Indian stone age is divided into the Palaeolithic, Mesolithic, and Neolithic on the basis of geological age, the type and technology of stone tools, and subsistence base. The Palaeolithic age is further divided into the lower, middle, and upper Palaeolithic.
- Hunting and gathering were the subsistence basis of the Paleolithic age and man had no knowledge of cultivation. The cultivation of crops began during the Neolithic age. Hence statement 1 is correct.
- In 9000 BC began an intermediate stage in Stone-age culture, which is called the Mesolithic age. It intervened as a transitional phase between the Paleolithic and Neolithic age.
- The people of this age lived on hunting, fishing and food gathering initially but later on they also domesticated animals and cultivated plants, thereby paving the way for agriculture. Hence statement 2 is not correct.

24. Answer D

- Samudragupta (AD 335–80): The Gupta kingdom was enlarged enormously by Chandragupta's son and successor Samudragupta (AD 335–80). He was the opposite of Ashoka. Ashoka believed in a policy of peace and non-aggression, but Samudragupta delighted in violence and conquest. Hence statement 1 is not correct.
- Chandragupta II (AD 380–412): The reign of Chandragupta II saw the high watermark of the Gupta empire. He extended the limits of the empire by marriage, alliance and conquest. Chandragupta married his daughter Prabhavati to a Vakataka prince of the brahmana caste and ruled in central India. The prince died and was succeeded by his young son. Prabhavati thus became the virtual ruler.
- However, the epigraphic eulogy seems to be exaggerated. Chandragupta II adopted the title of Vikramaditya, which had been first used by a Ujjain ruler in 58–57 BC as a mark of victory over the Shaka Kshatrapas of western India. This Ujjain ruler is traditionally called Shakari or the enemy of the Shakas. The Vikrama samvat or era was started in 58–57 BC by Shakari. Hence statement 2 is not correct.



23. उत्तर सी

- भारतीय पाषाण युग को भूवैज्ञानिक युग, पत्थर के औजारों के प्रकार और प्रौद्योगिकी तथा निर्वाह आधार के आधार पर पुरापाषाण, मध्य पाषाण और नव पाषाण काल में विभाजित किया गया है। पुरापाषाण युग को निम्न, मध्य और उच्च पुरापाषाण काल में विभाजित किया गया है।
- शिकार और संग्रहण पुरापाषाण युग का निर्वाह आधार था और मनुष्य को खेती का कोई ज्ञान नहीं था। फसलों की खेती नवपाषाण युग के दौरान शुरू हुई। अतः कथन 1 सही है।
- 9000 ईसा पूर्व में पाषाण युग की संस्कृति में एक मध्यवर्ती चरण शुरू हुआ, जिसे मेसोलिथिक युग कहा जाता है। इसने पुरापाषाण और नवपाषाण युग के बीच एक संक्रमणकालीन चरण के रूप में हस्तक्षेप किया।
- इस युग के लोग शुरू में शिकार, मछली पकड़ने और भोजन इकट्ठा करने पर निर्भर थे, लेकिन बाद में उन्होंने जानवरों को पालतू बनाया और पौधों की खेती की, जिससे कृषि का मार्ग प्रशस्त हुआ। अतः कथन 2 सही नहीं है।

24. उत्तर डी

- समुद्रगुप्त (335-80 ई.): चंद्रगुप्त के पुत्र और उत्तराधिकारी समुद्रगुप्त (335-80 ई.) द्वारा गुप्त साम्राज्य का अत्यधिक विस्तार किया गया। वह अशोक के विपरीत थे। अशोक शांति और गैर-आक्रामकता की नीति में विश्वास करता था, लेकिन समुद्रगुप्त हिंसा और विजय में प्रसन्न था। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- चंद्रगुप्त द्वितीय (380-412 ई.): चंद्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल में गुप्त साम्राज्य का उच्च स्तर देखा गया। उसने विवाह, गठबंधन और विजय द्वारा साम्राज्य की सीमाओं का विस्तार किया। चंद्रगुप्त ने अपनी बेटी प्रभावती का विवाह ब्राह्मण जाति के वाकाटक राजकुमार से किया और मध्य भारत में शासन किया। राजकुमार की मृत्यु हो गई और उसका छोटा बेटा उसका उत्तराधिकारी बना। इस प्रकार प्रभावती आभासी शासक बन गयी।
- हालाँकि, अभिलेखीय स्तुति अतिरंजित प्रतीत होती है। चंद्रगुप्त द्वितीय ने विक्रमादित्य की उपाधि धारण की, जिसका प्रयोग पहली बार 58-57 ईसा पूर्व में पश्चिमी भारत के शक क्षत्रपों पर विजय के प्रतीक के रूप में एक उज्जैन शासक द्वारा किया गया था। इस उज्जैन शासक को पारंपरिक रूप से शकरी या शकों का शत्रु कहा जाता है। विक्रम संवत् या युग की शुरुआत 58-57 ईसा पूर्व में शकरी द्वारा की गई थी। अतः कथन 2 सही नहीं है।



25. Answer D

- The Indus Valley people were aware of gold and gold ornaments have been discovered at the Indus Valley sites. It is believed that the gold was procured from the south.

26. Answer C

- The caves of Bhimbetka were discovered in 1957–58 by eminent archaeologist V. S. Wakankar and later on, many more were discovered. Hence statement 1 is correct.
- The largest number of Bhimbetka paintings belong to Period II which covers the Mesolithic paintings.
- During this period the themes are multiple but the paintings are smaller in size compared to Upper Palaeolithic paintings. Hence statement 2 is correct.
- Though animals were painted in a naturalistic style, humans were depicted only in a stylistic manner. Hence statement 3 is correct.

27. Answer C

- The Mauryan state also provided irrigation facilities and regulated water supply for the benefit of agriculturists. Megasthenes informs us that in the Maurya Empire the officer measured the land as in Egypt and inspected the channels through which water was distributed into smaller channels. Hence statement 1 is correct.
- For the first time in the Maurya period slaves were engaged in agricultural work on a large scale.
- The state maintained farms, on which numerous slaves and hired labourers were employed. Hence statement 2 is correct.
- In order to bring the virgin soil under cultivation, the new peasants were allowed remission in tax and supplied with cattle, seeds and money. The state followed this policy in the hope that it would get back what it had given. Hence statement 3 is correct.

25. उत्तर डी

सिंधु घाटी के लोग सोने के बारे में जानते थे और सिंधु घाटी स्थलों पर सोने के आभूषणों की खोज की गई है। ऐसा माना जाता है कि सोना दक्षिण से लाया गया था।

26. उत्तर सी

- भीमबेटका की गुफाओं की खोज 1957-58 में प्रख्यात पुरातत्वविद् वी.एस. वाकणकर ने की थी और बाद में और भी कई गुफाएँ खोजी गईं। अतः कथन 1 सही है।
- भीमबेटका चित्रों की सबसे बड़ी संख्या द्वितीय काल की है जिसमें मध्यपाषाण काल की पेंटिंग शामिल हैं।
- इस अवधि के दौरान विषय अनेक थे लेकिन चित्र ऊपरी पुरापाषाणकालीन चित्रों की तुलना में आकार में छोटे थे। अतः कथन 2 सही है।
- हालाँकि जानवरों को प्राकृतिक शैली में चित्रित किया गया था, मनुष्यों को केवल शैलीगत तरीके से चित्रित किया गया था। अतः कथन 3 सही है।

27. उत्तर सी

- मौर्य राज्य ने कृषकों के लाभ के लिए सिंचाई सुविधाएँ और विनियमित जल आपूर्ति भी प्रदान की। मेगस्थनीज ने हमें सूचित किया कि मौर्य साम्राज्य में अधिकारी ने मिस्र की तरह भूमि को मापा और उन चैनलों का निरीक्षण किया जिनके माध्यम से पानी को छोटे चैनलों में वितरित किया जाता था। अतः कथन 1 सही है।
- मौर्य काल में पहली बार दासों को बड़े पैमाने पर कृषि कार्य में लगाया गया।
- राज्य ने खेतों का रखरखाव किया, जिन पर कई दास और किराए के मजदूर कार्यरत थे। अतः कथन 2 सही है।
- कुंवारी मिट्टी को खेती के अधीन लाने के लिए, नए किसानों को कर में छूट दी गई और मवेशी, बीज और धन की आपूर्ति की गई। राज्य ने इस नीति का अनुसरण इस आशा से किया कि उसने जो दिया है वह उसे वापस मिल जायेगा। अतः कथन 3 सही है।

28. Answer C

- For the first time civil and criminal law were clearly defined and demarcated. Theft and adultery came under criminal law. Disputes regarding various types of property came under civil law. Elaborate laws were laid down about inheritance. Hence statement 1 is correct.
- During this period also many laws continued to be based on differences in varnas. It was the duty of the king to uphold the law. The king tried cases with the help of brahmana priests. Hence statement 2 is correct.
- The guilds of artisans, merchants and others were governed by their own laws, Seals from Vaishali and from Bhita near Allahabad indicate that these guilds flourished exceedingly well in Gupta times. Hence statement 3 is correct

29. Answer B

- However, the king did not exercise unlimited power, for he had to reckon with the tribal organizations. Although his post was hereditary, we have also some traces of election by the tribal assembly called the samiti. The king was called the protector of his tribe. He protected its cattle, fought its wars and offered prayers to gods on its behalf. Hence statement 1 is correct.
- Even women attended the samiti and vidatha in Rig Vedic times, But the two most important assemblies from the political point of view seem to have been the sabha and the samiti. These two were so important that the kings showed eagerness to win their support. Hence statement 2 is not correct.
- The Rig Veda does not mention any officer for administering justice. But it was not an ideal society. There were cases of theft and burglary, and especially we hear of the theft of cows. Spies were employed to keep an eye on such unsocial activities. Hence statement 3 is correct.

28. उत्तर सी

- पहली बार नागरिक और आपराधिक कानून को स्पष्ट रूप से परिभाषित और सीमांकित किया गया। चोरी और व्यभिचार आपराधिक कानून के अंतर्गत आते थे। विभिन्न प्रकार की संपत्ति से संबंधित विवाद नागरिक कानून के अंतर्गत आते थे। विरासत के बारे में विस्तृत कानून बनाए गए। अतः कथन 1 सही है।
- इस काल में भी कई कानून वर्ण भेद पर आधारित होते रहे। कानून का पालन करना राजा का कर्तव्य था। राजा ने ब्राह्मण पुजारियों की मदद से मामलों की सुनवाई की। अतः कथन 2 सही है।
- कारीगरों, व्यापारियों और अन्य लोगों के संघ अपने स्वयं के कानूनों द्वारा शासित होते थे, वैशाली और इलाहाबाद के पास भीटा से प्राप्त मुहरों से संकेत मिलता है कि ये संघ गुप्त काल में बहुत अच्छी तरह से विकसित हुए थे। इसलिए कथन 3 सही है।

29. उत्तर बी

- हालाँकि, राजा ने असीमित शक्ति का प्रयोग नहीं किया, क्योंकि उसे आदिवासी संगठनों के साथ समझौता करना था। हालाँकि उनका पद वंशानुगत था, हमारे पास आदिवासी सभा, जिसे समिति कहा जाता है, द्वारा चुनाव के कुछ निशान भी हैं। राजा को अपने कबीले का रक्षक कहा जाता था। उसने उसके मवेशियों की रक्षा की, उसके युद्ध लड़े और उसकी ओर से देवताओं से प्रार्थना की। अतः कथन 1 सही है।
- ऋग्वैदिक काल में महिलाएं भी समिति और विदथ में भाग लेती थीं, लेकिन राजनीतिक दृष्टिकोण से दो सबसे महत्वपूर्ण सभाएं सभा और समिति रही हैं। ये दोनों इतने महत्वपूर्ण थे कि राजा इनका समर्थन प्राप्त करने के लिए उत्सुकता दिखाते थे। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- ऋग्वेद में न्याय प्रदान करने वाले किसी अधिकारी का उल्लेख नहीं है। लेकिन यह कोई आदर्श समाज नहीं था। चोरी और डकैती के मामले थे, और विशेष रूप से हम गायों की चोरी के बारे में सुनते हैं। ऐसी असामाजिक गतिविधियों पर नजर रखने के लिए जासूसों को नियुक्त किया गया। अतः कथन 3 सही है।

30. Answer A

- The Vijayanagara Empire was a South Indian empire that ruled from the 14th to the 17th century, based in the city of Vijayanagara (now Hampi, Karnataka). The Vijayanagara Empire was founded in 1336 and was attributed to the Sangama dynasty siblings Harihara I and Bukka Raya I, who hailed from a cowherd community with a Yadava lineage. Hence statement 1 is correct.
- The Vijayanagara Empire, held dominion over a vast area in South India, encompassing present-day Karnataka, Andhra Pradesh, Tamil Nadu, Kerala, Goa, and portions of Telangana and Maharashtra. Hence statement 2 is not correct.
- The rising power Vijayanagar empire brought it into a clash with many powers both in the south and to the north. In the south, its main rivals were the sultans of Madurai. The struggle between the sultan and Madurai lasted for about four decades. By 1377, the sultana of Madurai had been wiped out. Hence statement 3 is not correct.

31. Answer B

- The Pala dynasty was a powerful Indian dynasty that ruled parts of eastern India from the 8th to the 12th century CE. The Pala empire was founded by Gopala, probably in 750 AD. He was succeeded in 770 by his son Dharmapala who ruled till 810. He was defeated by the Rashtrakuta ruler, Dhruva. Hence Statement 1 is not correct.
- The Pala rulers were great patrons of Buddhist learning and religion. Dharmapala revived Nalanda University and founded the Vikramshila University which became second only to Nalanda in fame. Hence statement 2 is correct.
- A conflict between Dharmapala and Vatsaraja, the Pratihara king, arose as a consequence of the Kannauj dispute. Later, Dharmapala recaptured Kannauj and installed his vassal Chakrayudha as the ruler. Hence statement 3 is correct.

30. उत्तर ए

- विजयनगर साम्राज्य एक दक्षिण भारतीय साम्राज्य था जिसने विजयनगर (अब हम्पी, कर्नाटक) शहर में स्थित 14वीं से 17वीं शताब्दी तक शासन किया था। विजयनगर साम्राज्य की स्थापना 1336 में हुई थी और इसका श्रेय संगम वंश के भाई-बहनों हरिहर प्रथम और बुक्का राय प्रथम को दिया गया, जो यादव वंश के चरवाहे समुदाय से थे। अतः कथन 1 सही है।
- विजयनगर साम्राज्य का दक्षिण भारत के एक विशाल क्षेत्र पर प्रभुत्व था, जिसमें वर्तमान कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, गोवा और तेलंगाना और महाराष्ट्र के कुछ हिस्से शामिल थे। इसलिए कथन 2 सही नहीं है।
- बढ़ती शक्ति विजयनगर साम्राज्य ने इसे दक्षिण और उत्तर दोनों में कई शक्तियों के साथ संघर्ष में ला दिया। दक्षिण में इसके मुख्य प्रतिद्वंद्वी मद्रुरै के सुल्तान थे। सुल्तान और मद्रुरै के बीच संघर्ष लगभग चार दशकों तक चला। 1377 तक, मद्रुरै के सुल्तान का सफाया हो चुका था। अतः कथन 3 सही नहीं है।

31. उत्तर B

- पाल राजवंश एक शक्तिशाली भारतीय राजवंश था जिसने 8वीं से 12वीं शताब्दी तक पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों पर शासन किया था। पाल साम्राज्य की स्थापना गोपाल ने संभवतः 750 ई. में की थी। 770 में उनके पुत्र धर्मपाल ने उनका उत्तराधिकारी बनाया, जिन्होंने 810 तक शासन किया। उन्हें राष्ट्रकूट शासक ध्रुव ने हराया था। इसलिए कथन 1 सही नहीं है।
- पाल शासक बौद्ध शिक्षा और धर्म के महान संरक्षक थे। धर्मपाल ने नालन्दा विश्वविद्यालय को पुनर्जीवित किया और विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना की जो प्रसिद्धि में नालन्दा के बाद दूसरे स्थान पर रहा। अतः कथन 2 सही है।
- कन्नौज विवाद के परिणामस्वरूप प्रतिहार राजा धर्मपाल और वत्सराज के बीच संघर्ष उत्पन्न हुआ। बाद में, धर्मपाल ने कन्नौज पर पुनः कब्जा कर लिया और अपने जागीरदार चक्रायुध को शासक के रूप में स्थापित किया। अतः कथन 3 सही है।

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



32. Answer B

- Statement 1 is Incorrect - Kanishka was an ardent follower of Buddhism and hosted the fourth Buddhist mahasangha or council. Mahayana Buddhism had become the dominant sect, and Kanishka supported the missions sent to China to preach Buddhism.
- Statement 2 is Correct - Kanishka was the patron of Buddhist philosophers such as Asvaghosha and Nagarjuna. Asvaghosha is known for his Buddhacharita and is celebrated as the author of the first Sanskrit play, Sariputra Prakarana.
- Statement 3 is Incorrect - The deification of Buddha by Mahasanghikas fostered Mahayana Buddhism. The Buddha came to be worshipped with flowers, garments, perfumes and lamps. Thus image worship and rituals developed in Mahayana Buddhism.

33. Answer B

- Statement 1 is correct - The administrative structure of the Mauryan empire was much more centralized than the Gupta empire. In the Gupta period, administration of villages was bestowed with local leaders, and the rulers never intervened with such administration. Gupta had organised a system of provincial and local administration. The rise of feudatories was among the reasons for the fall of the Gupta empire.
- Statement 2 is Incorrect - The position of shudras improved in the Gupta period as compared to Mauryan period. They were now permitted to listen to the Ramayana, Mahabharata and the Puranas. They could also worship a new god called Krishna. They were represented as agriculturists in Gupta period from the role of servants, slaves in Mauryan period.
- Statement 3 is correct - Compared to the earlier period external trade declined during the Gupta period. It increased with China whereas it declined with Rome. Around A.D. 550 the people of eastern Roman empire learnt the art of growing silk from Chinese which adversely affected Indian exports. Tamralipti, also known as Tamlik was an important port in Bengal which carried out a trade with China.

32. उत्तर B

- कथन 1 गलत है - कनिष्क बौद्ध धर्म का प्रबल अनुयायी था और उसने चौथे बौद्ध महासंघ या परिषद की मेजबानी की थी। महायान बौद्ध धर्म प्रमुख संप्रदाय बन गया था और कनिष्क ने बौद्ध धर्म का प्रचार करने के लिए चीन भेजे गए मिशनरों का समर्थन किया था।
- कथन 2 सही है - कनिष्क अश्वघोष और नागार्जुन जैसे बौद्ध दार्शनिकों का संरक्षक था। अश्वघोष को उनके बुद्धचरित्र के लिए जाना जाता है और उन्हें पहले संस्कृत नाटक, सारिपुत्र प्रकरण के लेखक के रूप में जाना जाता है।
- कथन 3 गलत है - महासंघिकों द्वारा बुद्ध को देव मानने से महायान बौद्ध धर्म को बढ़ावा मिला। बुद्ध की पूजा फूलों, वस्त्रों, इत्रों और दीपों से की जाने लगी। इस प्रकार महायान बौद्ध धर्म में छवि पूजा और अनुष्ठान विकसित हुए।

33. उत्तर बी

- कथन 1 सही है - मौर्य साम्राज्य की प्रशासनिक संरचना गुप्त साम्राज्य की तुलना में कहीं अधिक केंद्रीकृत थी। गुप्त काल में, गाँवों का प्रशासन स्थानीय नेताओं को सौंपा गया था, और शासकों ने ऐसे प्रशासन में कभी हस्तक्षेप नहीं किया। गुप्ता ने प्रांतीय और स्थानीय प्रशासन की एक प्रणाली का आयोजन किया था। गुप्त साम्राज्य के पतन के कारणों में सामंतों का उदय भी था।
- कथन 2 गलत है - मौर्य काल की तुलना में गुप्त काल में शूद्रों की स्थिति में सुधार हुआ। अब उन्हें रामायण, महाभारत और पुराण सुनने की अनुमति मिल गई। वे कृष्ण नामक एक नए देवता की भी पूजा कर सकते थे। मौर्य काल में नौकरों, दासों की भूमिका से लेकर गुप्त काल में कृषकों के रूप में उनका प्रतिनिधित्व किया गया था।
- कथन 3 सही है - पहले की अवधि की तुलना में गुप्त काल के दौरान बाहरी व्यापार में गिरावट आई। चीन के साथ इसमें वृद्धि हुई जबकि रोम के साथ इसमें गिरावट आई। 550 ई. के आसपास पूर्वी रोमन साम्राज्य के लोगों ने चीनी से रेशम उगाने की कला सीखी जिससे भारतीय निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। ताम्रलिप्ति, जिसे ताम्रलिक के नाम से भी जाना जाता है, बंगाल का एक महत्वपूर्ण बंदरगाह था जो चीन के साथ व्यापार करता था।

34. Answer A

- Statement 1 is Incorrect - Chandragupta Maurya was the founder of the Mauryan Empire. He captured Pataliputra from Dhanananda, last ruler of the Nanda dynasty. He was assisted by Kautilya/Chanakya/Vishnugupta.
- Statement 2 is Correct - Bindusara supported the Ajivikas sect. They are an ascetic sect that emerged in India about the same time as Buddhism and Jainism. Its most important leader was Makkhali Goshala. The main philosophy of Ajivikas is that absolutely everything is predetermined by fate, or niyati, and therefore, human action has no consequences.
- Statement 3 is Correct - Bindusara had cordial relations with the Syrian king Antiochus I. He also received Deimachus as ambassador from him.
- Statement 4 is Incorrect - Chandragupta Maurya defeated Selukus Niketar. Selukus Nikator ceded some trans-Indus territories to the Mauryan Empire and Megasthenes was sent to the Mauryan court as Greek ambassador.

35. Answer B

- Statement 1 is Incorrect- Ashoka's policy of Dhamma was a broad concept. It was a way of life, a code of conduct and a set of principles to be adopted by the people. Some ideas of Ashoka's Dhamma are similar to the teachings of buddhism like non-violence etc but both of them are quite different from each other. The concept of non-violence and other similar ideas of Asoka's Dhamma are identical with the teachings of Buddha. But he did not equate Dhamma with Buddhist teachings. Buddhism remained his personal belief. His Dhamma signifies a general code of conduct.
- Statement 2 is Correct- Among many principles of Dhamma, Tolerance among all religious sects is one of the important principles of Dhamma.
- Statement 3 is Correct- He appointed officials known as Dhamma Mahamatta who went from place to place teaching people about his dhamma. Ashoka also got his messages inscribed on rocks and pillars, instructing his officials to read his message to those who could not read it themselves. Ashoka also sent messengers to spread ideas about dhamma to other lands, such as Syria, Egypt, Greece and Sri Lanka.

34. उत्तर ए

- कथन 1 गलत है - चंद्रगुप्त मौर्य मौर्य साम्राज्य के संस्थापक थे। उसने नंद वंश के अंतिम शासक धनानंद से पाटलिपुत्र पर कब्जा कर लिया। उनकी सहायता कौटिल्य/चाणक्य/विष्णुगुप्त ने की थी।
- कथन 2 सही है - बिन्दुसार ने आजीवक संप्रदाय का समर्थन किया। वे एक तपस्वी संप्रदाय हैं जो भारत में बौद्ध धर्म और जैन धर्म के लगभग उसी समय उभरा। इसका सबसे महत्वपूर्ण नेता मक्खलि गौशाला था। आजीवकों का मुख्य दर्शन यह है कि पूरी तरह से सब कुछ भाग्य या नियति द्वारा पूर्व निर्धारित है, और इसलिए, मानव कार्रवाई का कोई परिणाम नहीं होता है।
- कथन 3 सही है - बिंदुसार के सीरियाई राजा एंटिओकस प्रथम के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध थे। उन्होंने डाइमाचस को उनसे राजदूत के रूप में भी प्राप्त किया।
- कथन 4 गलत है - चंद्रगुप्त मौर्य ने सेलुकास निकेतर को हराया। सेलुकास निकेटर ने कुछ पार-सिंधु क्षेत्र मौर्य साम्राज्य को सौंप दिए और मेगस्थनीज को यूनानी राजदूत के रूप में मौर्य दरबार में भेजा गया।

35. उत्तर बी

- कथन 1 गलत है- अशोक की धम्म नीति एक व्यापक अवधारणा थी। यह जीवन जीने का एक तरीका, एक आचार संहिता और लोगों द्वारा अपनाए जाने वाले सिद्धांतों का एक समूह था। अशोक के धम्म के कुछ विचार बौद्ध धर्म की शिक्षाओं जैसे अहिंसा आदि के समान हैं लेकिन ये दोनों एक दूसरे से काफी अलग हैं। अहिंसा की अवधारणा और अशोक के धम्म के अन्य समान विचार बुद्ध की शिक्षाओं के समान हैं। लेकिन उन्होंने धम्म की तुलना बौद्ध शिक्षाओं से नहीं की। बौद्ध धर्म उनकी निजी आस्था बनी रही। उनका धम्म एक सामान्य आचार संहिता का प्रतीक है।
- कथन 2 सही है- धम्म के कई सिद्धांतों में से, सभी धार्मिक संप्रदायों के बीच सहिष्णुता धम्म के महत्वपूर्ण सिद्धांतों में से एक है।
- कथन 3 सही है- उन्होंने धम्म महामत्ता के नाम से जाने जाने वाले अधिकारियों को नियुक्त किया जो जगह-जगह जाकर लोगों को उनके धम्म के बारे में पढ़ाते थे। अशोक ने अपने संदेशों को चट्टानों और स्तंभों पर भी अंकित करवाया, अपने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे उनके संदेश को उन लोगों को पढ़कर सुनाएँ जो इसे स्वयं नहीं पढ़ सकते। अशोक ने धम्म के बारे में विचारों को सीरिया, मिस्र, ग्रीस और श्रीलंका जैसे अन्य देशों में फैलाने के लिए दूत भी भेजे।

36. Answer C

- Statement 1 is Correct - the Mauryan period saw an emergence of rock cut architecture. These caves were used by many monks as Viharas- living quarters. These Caves were marked by decorative gateways and highly polished interior walls.
- Statement 2 is Correct - Wood was the principal building material. Example-The Mauryan capital at Pataliputra, Ashoka's palace at Kumrahar, Chandragupta Maurya's palace. Gradually however, there was a transition from wood to stone,
- Statement 3 is Correct - Pottery of the Mauryan Period is referred to as the Northern Black Polished Ware. They have a highly lustrous finish and are painted black. These represent the highest level of pottery. The centers of NBPW pottery were Kosambi and Patliputra.

37. Answer C

Both the statements are incorrect:

- Despite the challenge posed by Buddhism and Jainism, the varna system continued to exist and Brahmanas and Kshatriyas dominated the social hierarchy. There was improvement in the social status of Vaishyas or trading communities and Shudras. Now Shudras could be involved in the agricultural and artisanal activities. Surprisingly however, there is no mention of either Varna or Sati in the Ashokan edicts.
- Even though Megasthenes lauds the Indian society for not having any slaves, yet ironically, the fact is that slavery existed in India at that time. This is borne out by the Arthashastra which says that "no Arya or freeman could be reduced to slavery". Reference to dasas (the slaves) in Ashokan inscriptions also bear testimony to the existence of the institution of slavery in Mauryan India. Ashokan edicts, while discussing dhamma, demand courteous behaviour towards dasas and bhatakas/bhritakas (servants).

36. उत्तर सी

- कथन 1 सही है - मौर्य काल में रॉक कट वास्तुकला का उदय हुआ। इन गुफाओं का उपयोग कई भिक्षुओं द्वारा विहार-रहने के क्वार्टर के रूप में किया जाता था। इन गुफाओं को सजावटी प्रवेश द्वारों और अत्यधिक पॉलिश की गई आंतरिक दीवारों द्वारा चिह्नित किया गया था।
- कथन 2 सही है - लकड़ी प्रमुख निर्माण सामग्री थी। उदाहरण-पाटलिपुत्र में मौर्य राजधानी, कुम्रहार में अशोक का महल, चंद्रगुप्त मौर्य का महल। हालाँकि, धीरे-धीरे लकड़ी से पत्थर में संक्रमण हुआ,
- कथन 3 सही है - मौर्य काल के मिट्टी के बर्तनों को उत्तरी काले पॉलिश वाले बर्तन कहा जाता है। उनकी फिनिश अत्यधिक चमकदार है और उन्हें काले रंग से रंगा गया है। ये मिट्टी के बर्तनों के उच्चतम स्तर का प्रतिनिधित्व करते हैं। एनबीपीडब्ल्यू मिट्टी के बर्तनों के केंद्र कोसंबी और पाटलिपुत्र थे।

37. उत्तर सी

दोनों कथन गलत हैं:

- बौद्ध धर्म और जैन धर्म द्वारा प्रस्तुत चुनौती के बावजूद, वर्ण व्यवस्था अस्तित्व में रही और ब्राह्मण और क्षत्रिय सामाजिक पदानुक्रम पर हावी रहे। वैश्यों या व्यापारिक समुदायों और शूद्रों की सामाजिक स्थिति में सुधार हुआ। अब शूद्र कृषि और कारीगर गतिविधियों में शामिल हो सकते थे। हालाँकि, आश्चर्य की बात यह है कि अशोक के शिलालेखों में वर्ण या सती का कोई उल्लेख नहीं है।
- यद्यपि मेगस्थनीज ने भारतीय समाज की इस बात के लिए सराहना की कि उसके पास कोई गुलाम नहीं था, परंतु विडंबना यह है कि उस समय भी भारत में दास प्रथा अस्तित्व में थी। यह अर्थशास्त्र द्वारा प्रमाणित है जो कहता है कि "किसी भी आर्य या स्वतंत्र व्यक्ति को गुलामी में नहीं डाला जा सकता"। अशोक के शिलालेखों में दासों (दासों) का उल्लेख भी मौर्यकालीन भारत में गुलामी की संस्था के अस्तित्व की गवाही देता है। अशोक के शिलालेख, धम्म पर चर्चा करते समय, दासों और भट्टकों/भृतकों (नौकरों) के प्रति विनम्र व्यवहार की मांग करते हैं।

38. Answer D

- Statement 1 is incorrect: The Mauryan Empire was divided into four provinces with their capitals at Taxila, Ujjain, Suvarnagiri and Kalinga. The provincial governors were mostly appointed from the members of the royal family. They were responsible for the maintenance of law and order and collection of taxes for the empire.
- Statement 2 is correct : According to the account of a Roman Writer Pliny, Chandragupta Maurya maintained 600,000 foot soldiers and 30,000 cavalry. In order to meet the expenses of such a huge army, the state controlled almost all the economic activities in the realm. The state brought new virgin land under cultivation which yielded handsome income to the state in the form of revenue collected from the newly settled peasants.

39. Answer C

- Statement 1 is Correct - The Brahmins were given high status in the society. They were bestowed with plenty of gifts by the rulers. Meanwhile, the practice of untouchability slowly started during this period. Fahien elaborated that Chandalas were segregated from the society and their condition was miserable. The untouchables including chandals lived away from the other groups They were assigned the lowest status in the Indian society.
- Statement 2 is Correct - Brahmanism gained a lot of popularity during the Gupta period and as a result Buddhism and Jainism received very less royal patronage than the earlier times. Fahien also mentions the decline of Buddhism. However, a few Buddhist scholars like Vasubandhu were supported by Gupta kings. In western and southern India Jainism flourished. The great Jain Council was held at Valabhi during this period and the Jain Canon of the Svetambra was written.
- Statement 3 is Correct - Women were prohibited from studying the religious texts like the Puranas. The practice of Swyamvara was no longer practiced. The Manusmriti suggested early marriage for the girls. So, it can be concluded that the position of women had become miserable during the Gupta period.

38. उत्तर D

- कथन 1 गलत है: मौर्य साम्राज्य तक्षशिला, उज्जैन, सुवर्णगिरि और कलिंग में अपनी राजधानियों के साथ चार प्रांतों में विभाजित था। प्रांतीय गवर्नर अधिकतर शाही परिवार के सदस्यों में से नियुक्त किये जाते थे। वे साम्राज्य के लिए कानून और व्यवस्था बनाए रखने और करों के संग्रह के लिए जिम्मेदार थे।
- कथन 2 सही है: रोमन लेखक प्लिनी के विवरण के अनुसार, चंद्रगुप्त मौर्य के पास 600,000 पैदल सैनिक और 30,000 घुड़सवार सेना थी। इतनी विशाल सेना के खर्चों को पूरा करने के लिए राज्य ने क्षेत्र की लगभग सभी आर्थिक गतिविधियों को नियंत्रित किया। राज्य नई अछूती भूमि को खेती के लिए लाया जिससे राज्य को नए बसे किसानों से एकत्र राजस्व के रूप में अच्छी आय प्राप्त हुई।

39. उत्तर C

- कथन 1 सही है - ब्राह्मणों को समाज में उच्च दर्जा दिया गया था। शासकों द्वारा उन्हें भरपूर उपहार दिये गये। इसी बीच इस काल में धीरे-धीरे छुआछूत की प्रथा शुरू हो गई। फाहियान ने विस्तार से बताया कि चांडाल समाज से अलग-थलग थे और उनकी स्थिति दयनीय थी। चांडाल सहित अछूत अन्य समूहों से दूर रहते थे, उन्हें भारतीय समाज में सबसे निचला दर्जा दिया गया था।
- कथन 2 सही है - गुप्त काल के दौरान ब्राह्मणवाद को बहुत लोकप्रियता मिली और परिणामस्वरूप बौद्ध धर्म और जैन धर्म को पहले की तुलना में बहुत कम शाही संरक्षण मिला। फ़ाहियान ने बौद्ध धर्म के पतन का भी उल्लेख किया है। हालाँकि, वसुबंधु जैसे कुछ बौद्ध विद्वानों को गुप्त राजाओं का समर्थन प्राप्त था। पश्चिमी और दक्षिणी भारत में जैन धर्म का विकास हुआ। इस अवधि के दौरान वल्लभी में महान जैन परिषद आयोजित की गई थी और श्वेतांबरों का जैन सिद्धांत लिखा गया था।
- कथन 3 सही है - महिलाओं को पुराण जैसे धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करने से प्रतिबंधित किया गया था। स्वयंवर की प्रथा अब प्रचलित नहीं थी। मनुस्मृति में लड़कियों के लिए शीघ्र विवाह का सुझाव दिया गया है। अतः यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि गुप्त काल में महिलाओं की स्थिति दयनीय हो गई थी।

40. Answer B

- Statement 1 is Correct - The inscriptions of Nanaghad inscriptions mentions the Satavahanas especially about Gautamiputra Satakarni. The Naneghat inscription suggests that Satakarni performed two horse sacrifices (Aswamedha), to proclaim his sovereignty.
- Statement 2 is Incorrect - Satavahanas patronized both Buddhism and Brahmanism. They built chaityas and viharas. They also made grants of villages and lands to Buddhist monks. The Karle inscription mentions that Satakarni donated lands to the Buddhist monks. Also, Vashishtaputra Pulamayi had got the old Amaravathi stupa repaired.
- Statement 3 is Incorrect - The trade and commerce prospered during the Satavahana rule. Guilds were organized by the merchants to increase their activities. The Satavahana period also witnessed overseas commercial activity.

41. Answer D

- Statement 1 is incorrect: The Harappan civilization is known to have shown earliest evidence of silver. The Harappans greatly specialized in the making of beads and made jewellery of gold, silver, carnelian, and other precious stones.
- Statement 2 is incorrect: The trade during the Harappan times was largely based on the barter system as there was no metallic money in use. The trade was both internal as well as external. Inland transportation was also used to facilitate trade.
- Statement 3 is incorrect: A large-scale use of burnt bricks was used in the buildings by the Harappan people. However, their knowledge for the use of burnt bricks was not obtained from the Egyptian civilization as the buildings there were mainly made of dried bricks.

40. उत्तर बी

- कथन 1 सही है - नानागढ़ शिलालेखों के शिलालेखों में सातवाहनों का उल्लेख है, विशेष रूप से गौतमीपुत्र शातकर्णी का। नानेघाट शिलालेख से पता चलता है कि शातकर्णी ने अपनी संप्रभुता की घोषणा करने के लिए दो अश्वमेघ यज्ञ (अश्वमेध) किए।
- कथन 2 गलत है - सातवाहनों ने बौद्ध धर्म और ब्राह्मणवाद दोनों को संरक्षण दिया। उन्होंने चैत्य और विहार बनवाये। उन्होंने बौद्ध भिक्षुओं को गाँव और भूमि का अनुदान भी दिया। कार्ले शिलालेख में उल्लेख है कि शातकर्णी ने बौद्ध भिक्षुओं को भूमि दान में दी थी। इसके अलावा, वशिष्ठपुत्र पुलमयी ने पुराने अमरावती स्तूप की मरम्मत करवाई थी।
- कथन 3 गलत है - सातवाहन शासन के दौरान व्यापार और वाणिज्य समृद्ध हुआ। व्यापारियों द्वारा अपनी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए श्रेणियों का गठन किया गया। सातवाहन काल में विदेशी वाणिज्यिक गतिविधि भी देखी गई।

41. उत्तर डी

- कथन 1 गलत है: हड़प्पा सभ्यता में चाँदी के सबसे पुराने साक्ष्य देखे गए हैं। हड़प्पावासी मोतियों के निर्माण में बहुत माहिर थे और सोने, चाँदी, कारेलियन और अन्य कीमती पत्थरों के आभूषण बनाते थे।
- कथन 2 गलत है: हड़प्पा काल के दौरान व्यापार काफी हद तक वस्तु विनिमय प्रणाली पर आधारित था क्योंकि उपयोग में कोई धातु मुद्रा नहीं थी। व्यापार आंतरिक और बाह्य दोनों था। व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए अंतर्देशीय परिवहन का भी उपयोग किया जाता था।
- कथन 3 गलत है: हड़प्पा के लोगों द्वारा इमारतों में पकी हुई ईंटों का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता था। हालाँकि, पकी हुई ईंटों के उपयोग का उनका ज्ञान मिस्र की सभ्यता से प्राप्त नहीं हुआ था क्योंकि वहाँ की इमारतें मुख्य रूप से सूखी ईंटों से बनी थीं।

42. Answer D

- Statement 4 is incorrect: The Harappans are said to have used plain or painted pottery. The painted pottery were referred to as Red and Black pottery which were painted with red and had black designs mostly of geometrical patterns, animals and birds. However, the use of polychrome pottery is very rare in Harappan civilization.

43. Answer B

- Statement 1 is correct: Terracotta figures of several female goddesses have been found from the Harappan seals which indicate the worship of Mother Goddess. Also, a plant emerging from an embryo indicates that Mother Earth was also worshipped. There has been evidence of Phallus worship which later developed into Hinduism as Shivlinga. Hence, a number of symbols of Phallus and female sex organs have been found which are made of stone.
- Statement 2 is correct: The people of Harappan civilization wore amulets to ward off any evil spirit. The Bronze statue of the Dancing girl from Mohenjo-daro also carries an amulet in her arms. The use of amulets for warding off spirits also finds mention in the Atharva Veda. Atharva Veda is one of the four Vedas that deals with the cure of several diseases. It also contains the details of several rituals.
- Statement 3 is incorrect: Animals like one horned rhinoceros and the humped bull are also worshipped by the Harappan people. They believed in nature worship. Trees are also depicted in the seals. In one of the seals, a deity is depicted amidst the branches of a Pipal tree.

42. उत्तर D

कथन 4 गलत है: कहा जाता है कि हड़प्पावासी सादे या चित्रित मिट्टी के बर्तनों का उपयोग करते थे। चित्रित मिट्टी के बर्तनों को लाल और काले मिट्टी के बर्तनों के रूप में संदर्भित किया जाता था जो लाल रंग से चित्रित होते थे और उनमें ज्यादातर ज्यामितीय पैटर्न, जानवरों और पक्षियों के काले डिजाइन होते थे। हालाँकि, हड़प्पा सभ्यता में पॉलीक्रोम मिट्टी के बर्तनों का उपयोग बहुत दुर्लभ है।

43. उत्तर B

- कथन 1 सही है: हड़प्पा की मुहरों से कई देवियों की टेराकोटा आकृतियाँ मिली हैं जो मातृ देवी की पूजा का संकेत देती हैं। साथ ही भ्रूण से पौधा निकलना इस बात का संकेत है कि धरती माता की भी पूजा की जाती थी। लिंग पूजा के प्रमाण मिले हैं जो बाद में हिंदू धर्म में शिवलिंग के रूप में विकसित हुआ। अतः शिश्र और स्त्री यौन अंगों के अनेक चिह्न मिले हैं जो पत्थर के बने हैं।
- कथन 2 सही है: हड़प्पा सभ्यता के लोग किसी भी बुरी आत्मा से बचने के लिए ताबीज पहनते थे। मोहनजो-दारो की नृत्यांगना की कांस्य प्रतिमा के हाथों में एक ताबीज भी है। आत्माओं को भगाने के लिए ताबीज के उपयोग का उल्लेख अथर्ववेद में भी मिलता है। अथर्ववेद चार वेदों में से एक है जो कई बीमारियों के इलाज से संबंधित है। इसमें कई अनुष्ठानों का विवरण भी शामिल है।
- कथन 3 गलत है: एक सींग वाले गैंडे और कूबड़ वाले बैल जैसे जानवरों की भी हड़प्पा के लोगों द्वारा पूजा की जाती है। वे प्रकृति पूजा में विश्वास करते थे। मुहरों में वृक्षों का भी चित्रण किया गया है। एक मुहर में पीपल के पेड़ की शाखाओं के बीच एक देवता को दर्शाया गया है।

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



44. Answer C

- Statement 1 is correct: Terracotta figures of women from the Chalcolithic period suggest that the Chalcolithic people venerated the mother goddess. Similar terracotta figures of the mother goddess have also been found from the Indus Valley Civilisation.
- Statement 2 is incorrect: The people of the Chalcolithic period used to deposit pots and some copper objects in the graves for the use of the dead in the next world. This shows their belief in the afterlife. Similarly, Harappan people also buried pottery and ornaments, indicating a belief that these could be used in the afterlife.
- Statement 3 is correct: Both the settlement pattern and burial practices suggest the beginning of social inequalities in the chalcolithic society. Some settlements in Jorwe are as large as twenty hectares but others are only five hectares and even less. This suggests that the large settlements dominated the smaller ones. In the Indus Valley Civilisation, the citadel and the lower town were depiction of social inequalities.

45. Answer C

- Pair 4 is incorrect: The findings from Harappa include 2 rows of six granaries with big platforms, stone symbols of lingam and yoni, mother goddess sculpture, wheat and barley in wooden mortar, dice, copper scale and mirror. Moreover, a sculpture of a dog chasing a deer in bronze metal, and a red sandstone male torso have been excavated. The findings from Mohenjodaro include a great bath, the great granary, post cremation burial, sculpture of a bearded priest, the famous bronze statue of the Dancing Girl and Pashupati Seal.

44. उत्तर C

- कथन 1 सही है: ताम्रपाषाण काल की महिलाओं की टेराकोटा आकृतियाँ बताती हैं कि ताम्रपाषाण काल के लोग देवी माँ की पूजा करते थे। सिंधु घाटी सभ्यता से भी मातृ देवी की ऐसी ही टेराकोटा आकृतियाँ मिली हैं।
- कथन 2 गलत है: ताम्रपाषाण काल के लोग मृतकों के अगली दुनिया में उपयोग के लिए कब्रों में बर्तन और कुछ ताँबे की वस्तुएं जमा करते थे। इससे मृत्युपरांत जीवन में उनके विश्वास का पता चलता है। इसी तरह, हड़प्पा के लोगों ने मिट्टी के बर्तनों और आभूषणों को भी दफनाया, जो इस धारणा को दर्शाता है कि इनका उपयोग मृत्यु के बाद किया जा सकता है।
- कथन 3 सही है: निपटान पैटर्न और दफन प्रथा दोनों ताम्रपाषाणिक समाज में सामाजिक असमानताओं की शुरुआत का सुझाव देते हैं। जोर्वे में कुछ बस्तियाँ बीस हेक्टेयर जितनी बड़ी हैं, लेकिन अन्य केवल पाँच हेक्टेयर या उससे भी कम हैं। इससे पता चलता है कि बड़ी बस्तियाँ छोटी बस्तियों पर हावी थीं। सिंधु घाटी सभ्यता में, गढ़ और निचले शहर सामाजिक असमानताओं का चित्रण थे।

45. उत्तर C

- जोड़ी 4 गलत है: हड़प्पा से प्राप्त निष्कर्षों में बड़े चबूतरे वाले छह अन्न भंडारों की 2 पंक्तियाँ, लिंगम और योनि के पत्थर के प्रतीक, मातृ देवी की मूर्ति, लकड़ी के मोर्टार में गेहूँ और जौ, पासा, ताँबे का पैमाना और दर्पण शामिल हैं। इसके अलावा, कांस्य धातु से बनी हिरण का पीछा करते कुत्ते की एक मूर्ति और एक लाल बलुआ पत्थर का नर धड़ भी खुदाई में मिला है। मोहनजोदड़ो से प्राप्त अवशेषों में एक विशाल स्नानघर, विशाल अन्न भंडार, दाह संस्कार के बाद दफनाने की जगह, एक दाढ़ी वाले पुजारी की मूर्ति, नृत्य करती हुई लड़की की प्रसिद्ध कांस्य प्रतिमा और पशुपति सील शामिल हैं।

46. Answer A

- Statement 1 is correct - Administrative machinery of the Aryans in the Rig vedic period worked with the tribal chief in the centre. The chief was known as rajan and he did not exercise unlimited power and had to reckon with the tribal organizations.
- Statement 2 is correct - Tribal elements in the society were stronger and social divisions based on collection of taxes and or accumulation of landed property were absent. The society was largely egalitarian.
- Statement 3 is correct: Gifts made to priests were usually cows and women slaves (for household works) and never of land, even those of cereals are rare. The cow seems to have been the most important form of wealth.
- Statement 4 is incorrect - The Aryans were engaged in two types of conflicts—first they fought with the pre-aryans and secondly, they fought among themselves. 'Dasas' mentioned in Iranian literature (Avesta) were the branch of early Aryans. Rig Veda mentions the defeat of Sambara by a chief called Divodasa (Bharata clan) 'Dasyus' in the Rig Veda representing the original inhabitants of the country, and an Aryan chief who overpowered them was called Trayadasyu. Active hostility was with the original inhabitants.

47. Answer C

- Statement 2 is incorrect : The earliest life of the Aryans seems to have been mainly pastoral, agriculture being the secondary occupation. They owed their prosperity to cattle wealth. Fought wars to gain supremacy of cattle wealth. They were well acquainted with the sowing and harvesting procedures (evident from the excavated wooden ploughshare), they had knowledge about various seasons also. Agriculture was mostly to produce fodder.

46. उत्तर ए

- कथन 1 सही है - ऋग्वैदिक काल में आर्यों की प्रशासनिक मशीनरी केंद्र में आदिवासी मुखिया के साथ काम करती थी। मुखिया को राजन के नाम से जाना जाता था और वह असीमित शक्ति का प्रयोग नहीं करता था और उसे आदिवासी संगठनों के साथ तालमेल बिठाना पड़ता था।
- कथन 2 सही है - समाज में जनजातीय तत्व मजबूत थे और करों के संग्रह या भूमि संपत्ति के संचय पर आधारित सामाजिक विभाजन अनुपस्थित थे। समाज काफी हद तक समतावादी था।
- कथन 3 सही है: पुजारियों को दिए जाने वाले उपहार आमतौर पर गायें और महिला दास (घरेलू कार्यों के लिए) होते थे और कभी भी जमीन नहीं, यहां तक कि अनाज भी दुर्लभ होते हैं। ऐसा लगता है कि गाय धन का सबसे महत्वपूर्ण रूप रही है।
- कथन 4 गलत है - आर्य दो प्रकार के संघर्षों में लगे हुए थे - पहला वे पूर्व-आर्यों से लड़े और दूसरे, वे आपस में लड़े। ईरानी साहित्य (अवेस्ता) में उल्लिखित 'दास' प्रारंभिक आर्यों की शाखा थे। ऋग्वेद में देश के मूल निवासियों का प्रतिनिधित्व करने वाले दिवोदास (भरत वंश) 'दस्यु' नामक एक प्रमुख द्वारा सांभर की हार का उल्लेख है, और एक आर्य प्रमुख जिसने उन पर विजय प्राप्त की थी, उसे त्रयदस्यु कहा जाता था। सक्रिय शत्रुता मूल निवासियों से थी।

47. उत्तर C

- कथन 2 गलत है: ऐसा प्रतीत होता है कि आर्यों का प्रारंभिक जीवन मुख्य रूप से देहाती था, कृषि उनका गौण व्यवसाय था। उनकी समृद्धि का श्रेय पशुधन को जाता था। पशु धन पर आधिपत्य पाने के लिए युद्ध लड़े। वे बुआई और कटाई की प्रक्रियाओं से अच्छी तरह परिचित थे (खुदाई से प्राप्त लकड़ी के हल से स्पष्ट), उन्हें विभिन्न मौसमों के बारे में भी जानकारी थी। कृषि का मुख्य उद्देश्य चारा पैदा करना था।



48. Answer A

- Statement 1 is correct - Gargi, Maitreyi and Katyayani composed hymns and had scholarly expertise. Early vedic society was male dominated. Birth of daughters was not desired during the early Rig Vedic period, but once they were born, they were treated with kindness and consideration. Their education was not neglected. Women attended the meetings of the Vidatha. Girls were free to choose their life partners. There are no instances of child marriage, sati, or purdah in the Rig Veda
- Statement 2 is correct - During the Early vedic period Girls enjoyed a lot more freedom than the later vedic period. They were married long after they had reached puberty and there seems to have been considerable freedom in the selection of husbands. There was no purdah system.
- Statement 3 is correct - Remarriage of widows was permitted and Niyoga or Levirate(a dead man's brother or next of kin marrying the widow) was practiced by some. No instances of child marriage or purdah system. Though monogamy was the rule but polygamy was also permitted. Instances (Maruts marriage with Rodasi) of polyandry were also there.
- Statement 4 is correct - Status of women declined in the later Vedic period and there was social stratification based on gender lines. Their participation in ceremonies was restricted. They were stripped of the right to attend assemblies. According to Aitareya Brahmana, a daughter has been described as a source of misery.

49. Answer C

- Statement 1 is Correct: The Rig Vedic economy was clan based and pastoral in nature. Evidence of trade and commerce is meagre, and there was no concept of private property based on land ownership. The clan as a whole enjoyed rights over the resources.
- Statement 2 is Incorrect: Though agriculture during the Rig Vedic period was primitive, the Rig Vedic people were aware about the concepts of soil fertility. The Rig Vedic hymns refer to the levelling of fields for cultivation, the desire for fertile fields (urvara), and furrows (sita) drenched by rain, producing rich harvests.

48. उत्तर ए

- कथन 1 सही है - गार्गी, मैत्रेयी और कात्यायनी ने भजनों की रचना की और उनमें विद्वतापूर्ण विशेषज्ञता थी। प्रारंभिक वैदिक समाज पुरुष प्रधान था। प्रारंभिक ऋग्वैदिक काल में बेटियों का जन्म वांछनीय नहीं था, लेकिन एक बार जब वे पैदा हो जाती थीं, तो उनके साथ दयालुता और विचार किया जाता था। उनकी शिक्षा की उपेक्षा नहीं की गई। महिलाएं विदथ की बैठकों में भाग लेती थीं। लड़कियाँ अपना जीवन साथी चुनने के लिए स्वतंत्र थीं। ऋग्वेद में बाल विवाह, सती या पर्दा प्रथा का कोई उदाहरण नहीं है
- कथन 2 सही है - प्रारंभिक वैदिक काल के दौरान लड़कियों को उत्तर वैदिक काल की तुलना में बहुत अधिक स्वतंत्रता प्राप्त थी। उनकी शादी युवावस्था तक पहुंचने के काफी समय बाद हुई थी और ऐसा लगता है कि पतियों के चयन में काफी स्वतंत्रता थी। कोई पर्दा प्रथा नहीं थी
- कथन 3 सही है - विधवाओं के पुनर्विवाह की अनुमति थी और कुछ लोगों द्वारा नियोग या लेविरेट (एक मृत व्यक्ति का भाई या निकटतम रिश्तेदार जो विधवा से विवाह करता है) का अभ्यास किया जाता था। बाल विवाह या पर्दा प्रथा का कोई उदाहरण नहीं। हालाँकि एक विवाह का नियम था लेकिन बहुविवाह की भी अनुमति थी। बहुपति प्रथा के उदाहरण (रोदसी के साथ मरुत का विवाह) भी थे।
- कथन 4 सही है - उत्तर वैदिक काल में महिलाओं की स्थिति में गिरावट आई और लिंग आधार पर सामाजिक स्तरीकरण हुआ। समारोहों में उनकी भागीदारी प्रतिबंधित थी। उनसे सभाओं में भाग लेने का अधिकार छीन लिया गया। ऐतरेय ब्राह्मण के अनुसार पुत्री को दुख का स्रोत बताया गया है।

49. उत्तर सी

- कथन 1 सही है: ऋग्वैदिक अर्थव्यवस्था कबीले आधारित और देहाती प्रकृति की थी। व्यापार और वाणिज्य के साक्ष्य अल्प हैं और भूमि स्वामित्व पर आधारित निजी संपत्ति की कोई अवधारणा नहीं थी। कुल मिलाकर कबीले को संसाधनों पर अधिकार प्राप्त था।
- कथन 2 गलत है: यद्यपि ऋग्वैदिक काल के दौरान कृषि आदिम थी, ऋग्वैदिक लोग मिट्टी की उर्वरता की अवधारणाओं से अवगत थे। ऋग्वैदिक ऋचाओं में खेतों के लिए खेतों को समतल करने, उपजाऊ खेतों (उर्वर) की इच्छा और बारिश से भीगे हुए खांचों (सीता) का उल्लेख है, जिससे भरपूर फसल पैदा होती है।

50. Answer B

- Statement 1 is incorrect: Anguttara Nikaya, a buddhist text, mentions the presence of the 16 Mahajanpadas or the large states. They extended to the North of the Vindhya range from the North-west frontier to Bihar. Of these, Kosala and Magadha were the two powerful ones. Magadha emerged into power during the rule of the Haryanka Dynasty and its ruler Bimbisara. He was succeeded by his son Ajatshatru. The capital of the Magadha then was Rajgir. The last ruler of this dynasty, Udayin, was succeeded by the Shishunaga dynasty. Avanti was the biggest rival of Magadha and had capitals at Ujjain and Mahishmati. This rivalry ended with the defeat of the Avanti by the Shaisungas. Hence, it was not Ajatshatru rather Shaishungas that brought an end to Avanti.
- Statement 2 is correct: The importance of Avanti lies in the presence of good quality iron weapons and the extensive use of smelting and forging to smelt the iron ore.
- Statement 3 is incorrect: The Shaishungas, who succeeded the Haryanka Dynasty by defeating their last ruler Udayain, shifted capital to Vaishali from Rajgir. The shaishungas were defeated by the Nandas who had enormous strength of the army.

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



50. उत्तर बी

- कथन 1 गलत है: अंगुत्तर निकाय, एक बौद्ध पाठ, 16 महाजनपदों या बड़े राज्यों की उपस्थिति का उल्लेख करता है। वे विंध्य पर्वतमाला के उत्तर में उत्तर-पश्चिमी सीमा से लेकर बिहार तक फैले हुए थे। इनमें से कोसल और मगध दो शक्तिशाली थे। मगध हर्यक राजवंश और उसके शासक बिम्बिसार के शासनकाल के दौरान सत्ता में उभरा। उनका उत्तराधिकारी उनका पुत्र अजातशत्रु था। तब मगध की राजधानी राजगीर थी। इस वंश के अंतिम शासक उदयिन का उत्तराधिकारी शिशुनाग वंश हुआ। अवंती मगध का सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी था और उसकी राजधानियाँ उज्जैन और महिष्मती में थीं। यह प्रतिद्वंद्विता शैसुंगों द्वारा अवंती की हार के साथ समाप्त हुई। इसलिए, यह अजातशत्रु नहीं बल्कि शैसुंग थे जिन्होंने अवंती का अंत किया।
- कथन 2 सही है: अवंती का महत्व अच्छी गुणवत्ता वाले लौह हथियारों की उपस्थिति और लौह अयस्क को गलाने के लिए गलाने और फोर्जिंग के व्यापक उपयोग में निहित है।
- कथन 3 गलत है: शैसुंग, जो अपने अंतिम शासक उदयैन को हराकर हर्यका राजवंश के उत्तराधिकारी बने, ने राजधानी को राजगीर से वैशाली स्थानांतरित कर दिया। शैसुंगों को नंदों द्वारा पराजित किया गया जिनके पास विशाल सेना थी।

51. Answer D

- The Paleolithic Period or Old Stone Age is the earliest period of human development, which lasted until approx 8000 BC. It is divided into two eras: the Lower Paleolithic (to 40,000 BC) and the Upper Paleolithic (40,000–8000 BC). During the Paleolithic period, man was a hunter and food gatherer. The human being used to use simple chipped and chopped stone tools for hunting and other purposes. In India, the earliest paintings have been reported from the Upper Palaeolithic times. Hence, statement 1 is not correct.
- The paintings of the Upper Palaeolithic phase are linear representations, in green and dark red, of huge animal figures, such as bison, elephants, tigers, rhinos, and boars besides stick-like human figures. A few are wash paintings but mostly they are filled with geometric patterns. The green paintings are of dancers and the red ones of hunters. For example, the rock shelters on banks of the River Suyal at Lakhudiyar, about twenty kilometers on the Almora– Barechina road, bear these prehistoric paintings. Lakhudiyar literally means one lakh caves. The paintings here can be divided into three categories: man, animal, and geometric patterns in white, black, and red ochre. Humans are represented in stick-like forms. A long-snouted animal, a fox, and a multiple-legged lizard are the main animal motifs. Wavy lines, rectangle-filled geometric designs, and groups of dots can also be seen here. Hence, statement 2 is not correct.
- During the Mesolithic period, the themes were multiple but the paintings are smaller in size. Hunting scenes predominate. The hunting scenes depict people hunting in groups, armed with barbed spears, pointed sticks, arrows and bows. In some paintings, these primitive men are shown with traps and snares probably to catch animals. The hunters are shown wearing simple clothes and ornaments. Sometimes, men have been adorned with elaborate head-dresses, and sometimes painted with masks also. Elephants, bison, tiger, boar, deer, antelope, leopard, panther, rhinoceros, fish, frog, lizard, squirrel, and at times birds are also depicted. Hence, statement 3 is not correct.

51. उत्तर डी

- पुरापाषाण काल या पुराना पाषाण युग मानव विकास का सबसे प्रारंभिक काल है, जो लगभग 8000 ईसा पूर्व तक चला। इसे दो युगों में विभाजित किया गया है: निचला पुरापाषाण काल (40,000 ईसा पूर्व तक) और ऊपरी पुरापाषाण काल (40,000-8000 ईसा पूर्व)। पुरापाषाण काल में मनुष्य शिकारी और भोजन संग्रहकर्ता था। मनुष्य शिकार और अन्य उद्देश्यों के लिए साधारण चिपटे और कटे हुए पत्थर के औजारों का उपयोग करता था। भारत में सबसे प्रारंभिक चित्रकलाएँ ऊपरी पुरापाषाण काल की बताई गई हैं। इसलिए, कथन 1 सही नहीं है।
- ऊपरी पुरापाषाण चरण की पेंटिंग्स हरे और गहरे लाल रंग में रेखिक प्रतिनिधित्व हैं, जिसमें विशाल जानवरों की आकृतियाँ, जैसे बाइसन, हाथी, बाघ, गैंडे और सूअर के अलावा छड़ी जैसी मानव आकृतियाँ हैं। कुछ धुली हुई पेंटिंग हैं लेकिन अधिकतर वे ज्यामितीय पैटर्न से भरी हुई हैं। हरी पेंटिंग नर्तकियों की हैं और लाल शिकारियों की। उदाहरण के लिए, अल्मोडा-बारेचिना रोड पर लगभग बीस किलोमीटर दूर लखुडियार में सुयाल नदी के तट पर स्थित शैल आश्रय इन प्रागैतिहासिक चित्रों को दर्शाते हैं। लखुडियार का शाब्दिक अर्थ है एक लाख गुफाएँ। यहां की पेंटिंग्स को तीन श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है: आदमी, जानवर, और सफेद, काले और लाल गेरू में ज्यामितीय पैटर्न। मनुष्य को छड़ी जैसे रूपों में दर्शाया गया है। एक लंबे धूधन वाला जानवर, एक लोमड़ी और एक कई पैरों वाली छिपकली मुख्य पशु रूपांकन हैं। लहरदार रेखाएँ, आयताकार-भरे ज्यामितीय डिज़ाइन और बिंदुओं के समूह भी यहाँ देखे जा सकते हैं। इसलिए, कथन 2 सही नहीं है।
- मध्यपाषाण काल के दौरान, विषय अनेक थे लेकिन चित्र आकार में छोटे थे। शिकार के दृश्य प्रमुख हैं। शिकार के दृश्यों में लोगों को समूहों में शिकार करते हुए दिखाया गया है, जो कांटेदार भालों, नुकीली लाठियों, तीर और धनुष से लैस हैं। कुछ चित्रों में, इन आदिम मनुष्यों को संभवतः जानवरों को पकड़ने के लिए जाल और फंदे के साथ दिखाया गया है। शिकारियों को साधारण कपड़े और आभूषण पहने हुए दिखाया गया है। कभी-कभी, पुरुषों को विस्तृत सिर-पोशाकों से सजाया गया है, और कभी-कभी मुखौटों से भी चित्रित किया गया है। हाथी, बाइसन, बाघ, सूअर, हिरण, मृग, तेंदुआ, तेंदुआ, गैंडा, मछली, मेंढक, छिपकली, गिलहरी और कभी-कभी पक्षियों को भी चित्रित किया गया है। इसलिए, कथन 3 सही नहीं है।

52. Answer B

- Statement 1 is correct: In ancient India, the Guptas issued the largest number of gold coins, which were called dinaras in their inscriptions. They vividly portray Gupta kings, indicating later love for war and art.
- Statement 2 is not correct: Compared to the earlier period we notice a decline in long-distance trade. Till 550 AD India carried on some trade with the Eastern Roman Empire to which it exported silk. Around 550 AD the people of the Eastern Roman Empire learned from the Chinese the art of growing silk, which adversely affected the export trade of India.
- Statement 3 is correct: The striking development of the Gupta period was the emergence of priestly landlords at the cost of local peasants. Land grants made to priests brought many virgin lands under cultivation. But these beneficiaries were imposed from above on the tribal peasants.

53. Answer B

- The Indus people sowed seed in the floodplains in November, when the flood water receded, and reaped their harvest of wheat and barley in April, before the advent of the next flood. They produced wheat, barley, rice, peas, sesame, mustard and rice. Hence, statement 1 is correct.
- No hoe or ploughshare has been discovered, but the furrows discovered in the pre-Harappan phase at Kalibangan show that the fields were ploughed in Rajasthan in the Harappan period. The Harappans probably used the wooden ploughshare. We do not know whether the plough was drawn by men or oxen. Stone sickles may have been used for harvesting the crops. Hence, statement 2 is not correct.
- The Indus people were the earliest people to produce cotton. Because cotton was first produced in this area the Greeks called it—sindon, which is derived from Sindh. Hence, statement 3 is correct. Ragi or finger millet is not known so far to any of the Harappan sites in north India. Hence, statement 4 is not correct.

52. उत्तर बी

- कथन 1 सही है: प्राचीन भारत में, गुप्तों ने सबसे अधिक संख्या में सोने के सिक्के जारी किए, जिन्हें उनके शिलालेखों में दिनारा कहा गया था। वे गुप्त राजाओं का सजीव चित्रण करते हैं, जो बाद के युद्ध और कला के प्रति प्रेम को दर्शाता है।
- कथन 2 सही नहीं है: पहले की अवधि की तुलना में हम लंबी दूरी के व्यापार में गिरावट देखते हैं। 550 ई. तक भारत पूर्वी रोमन साम्राज्य के साथ कुछ व्यापार करता था जहाँ वह रेशम का निर्यात करता था। लगभग 550 ई. में पूर्वी रोमन साम्राज्य के लोगों ने चीनियों से रेशम उगाने की कला सीखी, जिससे भारत के निर्यात व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।
- कथन 3 सही है: गुप्त काल का उल्लेखनीय विकास स्थानीय किसानों की कीमत पर पुरोहित जमींदारों का उदय था। पुजारियों को दिए गए भूमि अनुदान से कई अछूती भूमियाँ खेती के अधीन आ गईं। लेकिन ये लाभ आदिवासी किसानों पर ऊपर से थोपे गए थे।

53. उत्तर बी

- सिंधु लोग नवंबर में बाढ़ के मैदानों में बीज बोते थे, जब बाढ़ का पानी कम हो जाता था, और अगली बाढ़ आने से पहले अप्रैल में गेहूँ और जौ की फसल काट लेते थे। उन्होंने गेहूँ, जौ, चावल, मटर, तिल, सरसों और चावल का उत्पादन किया। अतः, कथन 1 सही है।
- कोई कुदाल या हल की खोज नहीं की गई है, लेकिन कालीबंगन में पूर्व-हड़प्पा चरण में खोजे गए कुंडों से पता चलता है कि हड़प्पा काल में राजस्थान में खेतों की जुताई की जाती थी। हड़प्पावासी संभवतः लकड़ी के फाल का प्रयोग करते थे। हम नहीं जानते कि हल आदमी खींचता था या बैल। फसलों की कटाई के लिए पत्थर की हँसिया का प्रयोग किया जाता होगा। इसलिए, कथन 2 सही नहीं है।
- सिन्धु लोग कपास का उत्पादन करने वाले सबसे पहले लोग थे। चूँकि कपास का उत्पादन सबसे पहले इसी क्षेत्र में हुआ था इसलिए यूनानियों ने इसे "सिंडन" कहा, जो सिंध से लिया गया है। अतः, कथन 3 सही है। रागी या बाजरा के बारे में अभी तक उत्तर भारत के किसी भी हड़प्पा स्थल पर पता नहीं चला है। इसलिए, कथन 4 सही नहीं है।

54. Answer C

- Stupa, vihara and chaitya are part of Buddhist and Jaina monastic complexes but the largest number belong to the Buddhist religion. Hence, statement 1 is correct.
- The practice of making rock-cut caves was started during the Mauryan period and reached its zenith during the 2nd century AD under the Satavahana rule. Hence, statement 2 is correct.
- Ashoka constructed eight rock-cut halls in the Barabar & Nagarjuni hills and the one near Rajgir dedicated to Jaina monks. The Lomas Rishi, the Sudama (both in the Barabar hills) and the Sitamarhi (Nagarjuni hills) caves are fine examples of the Chaityas which resembled the wooden buildings of the period.

55. Answer A

- Magadha was a region where agriculture was especially productive.
- Besides, iron mines (in present-day Jharkhand) were accessible and provided resources for tools and weapons. Hence statement 1 is correct.
- Elephants, an important component of the army, were found in forests in the region. Hence, statement 2 is correct.
- However, early Buddhist and Jaina writers who wrote about Magadha attributed its power to the policies of individuals: ruthlessly ambitious kings of whom Bimbisara, Ajatasatru, and Mahapadma Nanda are the best known, and their ministers, who helped implement their policies. Hence, statement 3 is correct.

56. Answer D

- Ajivika is one of the nāstika or "heterodox" schools of Indian philosophy. Makkhali Gosala is considered as its founder in 5th century BCE. Several rock-cut caves belonging to Ajivika are dated to the times of the Mauryan emperor Ashoka who patronized the Ajivika sect. Hence statement 1 is not correct.
- The rock-cut cave carved at Barabar hills near Gaya in Bihar is known as the Lomas Rishi cave. The facade of the cave is decorated with the semicircular chaitya arch as the entrance. Hence statement 2 is correct.

54. उत्तर सी

- स्तूप, विहार और चैत्य बौद्ध और जैन मठ परिसरों का हिस्सा हैं लेकिन सबसे बड़ी संख्या बौद्ध धर्म की है। अतः, कथन 1 सही है।
- चट्टानों को काटकर गुफाएँ बनाने की प्रथा मौर्य काल के दौरान शुरू हुई और सातवाहन शासन के दौरान दूसरी शताब्दी ईस्वी के दौरान अपने चरम पर पहुँच गई। अतः, कथन 2 सही है।
- अशोक ने बाराबर और नागार्जुनी पहाड़ियों में और राजगीर के पास जैन भिक्षुओं को समर्पित आठ रॉक-कट हॉल का निर्माण किया। लोमस ऋषि, सुदामा (दोनों बाराबर पहाड़ियों में) और सीतामढी (नागार्जुनी पहाड़ियाँ) गुफाएँ चैत्य के बेहतरीन उदाहरण हैं जो उस काल की लकड़ी की इमारतों से मिलती जुलती थीं।

55. उत्तर ए

- मगध एक ऐसा क्षेत्र था जहाँ कृषि विशेष रूप से उत्पादक थी।
- इसके अलावा, लोहे की खदानें (वर्तमान झारखंड में) सुलभ थीं और औजारों और हथियारों के लिए संसाधन उपलब्ध कराती थीं। अतः, कथन 1 सही है।
- हाथी, सेना का एक महत्वपूर्ण घटक, इस क्षेत्र के जंगलों में पाए जाते थे। अतः, कथन 2 सही है।
- हालाँकि, मगध के बारे में लिखने वाले शुरुआती बौद्ध और जैन लेखकों ने इसकी शक्ति का श्रेय व्यक्तियों की नीतियों को दिया: क्रूर महत्वाकांक्षी राजा जिनमें से बिम्बिसार, अजातशत्रु और महापद्म नंद सबसे प्रसिद्ध हैं, और उनके मंत्री, जिन्होंने उनकी नीतियों को लागू करने में मदद की। अतः, कथन 3 सही है।

56. उत्तर डी

- आजीविका भारतीय दर्शन के नास्तिक या "विधर्मी" विद्यालयों में से एक है। मक्खलि गोशाल को 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व में इसका संस्थापक माना जाता है। आजीविका से संबंधित कई चट्टानों को काटकर बनाई गई गुफाएँ मौर्य सम्राट अशोक के समय की हैं, जिन्होंने आजीविक संप्रदाय को संरक्षण दिया था। अतः, कथन 1 सही नहीं है।
- बिहार में गया के पास बाराबर पहाड़ियों पर चट्टान को काटकर बनाई गई गुफा को लोमस ऋषि गुफा के नाम से जाना जाता है। गुफा के अग्रभाग को प्रवेश द्वार के रूप में अर्धवृत्ताकार चैत्य मेहराब से सजाया गया है। अतः, कथन 2 सही है।

57. Answer D

- The people of the chalcolithic phase used different types of pottery: black and red were the most prevalent, others were black-on-red (found in Jorwe) and ochre-colored pottery (OCP) which roughly covered the period between 2000 B.C and 1500 B.C. The OCP people were junior contemporaries of the Harappans and the area in which they lived was not far removed from that of the Harappans. Hence option (d) is not correct.

58. Answer C

- The king maintained close contact with the provincial administration through a class of officials called Kumaramatyasand Ayuktas. They were important officers in the Gupta administration and were appointed by the king. Hence, option (c) is the correct answer.

59. Answer C

- The Sangam texts are different from the Vedic texts, particularly the Rig Vedic texts. They do not constitute religious literature. The short and long poems were composed by numerous poets in praise of numerous heroes and heroines. Thus they are secular in nature. Hence, statement 1 is correct.
- They are not primitive songs, but they show a high quality of literature. Many poems mention a warrior or a chief or a king by name and describe his military exploits in detail. The gifts made by him to bards and warriors are celebrated. These poems may have been recited in the courts. Hence, statement 2 is correct.
- The Sangam texts refer to many settlements including Kaveripattanam whose flourishing existence is now attested archaeologically. They also speak of the Yavanas (foreigners) coming in their own vessels purchasing pepper with gold and supplying wine and women slaves to the natives. This trade is not known only from Latin and Greek writings but also from archaeological records. The Sangam literature is a very major source of our information for the social, economic and political life of the people living in deltaic Tamil Nadu in the early Christian centuries. Hence, statement 3 is correct.

57. उत्तर डी

ताम्रपाषाण चरण के लोग विभिन्न प्रकार के मिट्टी के बर्तनों का उपयोग करते थे: काले और लाल सबसे अधिक प्रचलित थे, अन्य काले-पर-लाल (जोरवे में पाए गए) और गेरू रंग के मिट्टी के बर्तन (ओसीपी) थे, जो लगभग 2000 ईसा पूर्व और 1500 के बीच की अवधि को कवर करते थे। ईसा पूर्व ओसीपी लोग हड़प्पावासियों के कनिष्ठ समकालीन थे और जिस क्षेत्र में वे रहते थे वह हड़प्पावासियों के क्षेत्र से अधिक दूर नहीं था। अतः विकल्प (डी) सही नहीं है।

58. उत्तर सी

राजा कुमारामात्यसंद अयुक्तस नामक अधिकारियों के एक वर्ग के माध्यम से प्रांतीय प्रशासन के साथ निकट संपर्क बनाए रखता था। वे गुप्त प्रशासन में महत्वपूर्ण अधिकारी थे और राजा द्वारा नियुक्त किये जाते थे। अतः, विकल्प (सी) सही उत्तर है।

59. उत्तर सी

- संगम ग्रंथ वैदिक ग्रंथों, विशेषकर ऋग्वैदिक ग्रंथों से भिन्न हैं। वे धार्मिक साहित्य नहीं हैं। असंख्य कवियों द्वारा अनेक नायकों और नायिकाओं की प्रशंसा में छोटी और लंबी कविताएँ रची गईं। इस प्रकार वे स्वभाव से धर्मनिरपेक्ष हैं। अतः, कथन 1 सही है।
- वे आदिम गीत नहीं हैं, लेकिन वे उच्च गुणवत्ता वाले साहित्य को दर्शाते हैं। कई कविताओं में किसी योद्धा या सरदार या राजा का नाम लेकर उल्लेख किया गया है और उनके सैन्य कारनामों का विस्तार से वर्णन किया गया है। उनके द्वारा भाटों और योद्धाओं को दिए गए उपहारों का जश्न मनाया जाता है। ये कविताएँ शायद अदालतों में पढ़ी जाती होंगी। अतः, कथन 2 सही है।
- संगम ग्रंथों में कावेरीपट्टनम सहित कई बस्तियों का उल्लेख है, जिनका समृद्ध अस्तित्व अब पुरातात्विक रूप से प्रमाणित है। वे यवनों (विदेशियों) के अपने जहाजों में सोने के साथ काली मिर्च खरीदने और मूल निवासियों को शराब और महिला दासियों की आपूर्ति करने के बारे में भी बताते हैं। इस व्यापार के बारे में केवल लैटिन और ग्रीक लेखों से ही नहीं बल्कि पुरातात्विक अभिलेखों से भी पता चलता है। प्रारंभिक ईसाई शताब्दियों में डेल्टाई तमिलनाडु में रहने वाले लोगों के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन के बारे में संगम साहित्य हमारी जानकारी का एक बहुत बड़ा स्रोत है। अतः, कथन 3 सही है।

60. Answer C

- The earliest literature of South India is represented by a group of texts in old Tamil, often collectively referred to as Sangam literature.
- The poems are of two types—akam (love poems) and puram (heroic poems).

61. Answer C

- Abdur Razzaq, an ambassador sent by the ruler of Persia to Calicut (present-day Kozhikode) in the fifteenth century and mentioned seven lines of forts. These encircled not only the city but also its agricultural hinterland and forests. The outermost wall linked the hills surrounding the city. Hence statement 1 is correct.
- The massive masonry construction was slightly tapered. No mortar or cementing agent was employed anywhere in the construction. The stone blocks were wedge-shaped, which held them in place, and the inner portion of the walls was of earth packed with rubble. Square or rectangular bastions projected outwards. Hence statement 2 is correct.
- Due to the surrounding areas being arid, elaborate arrangements had to be made to store rainwater and conduct it to the city. The most important such tank was built in the early years of the fifteenth century and is now called the Kamalapuram tank.
 - One of the most prominent waterworks to be seen among the ruins is the Hiriya canal. This canal drew water from a dam across the Tungabhadra and irrigated the cultivated valley. Hence statement 3 is correct.

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



60. उत्तर सी

दक्षिण भारत का प्रारंभिक साहित्य पुराने तमिल में ग्रंथों के एक समूह द्वारा दर्शाया गया है, जिसे अक्सर सामूहिक रूप से संगम साहित्य के रूप में जाना जाता है।

कविताएँ दो प्रकार की हैं—अकम (प्रेम कविताएँ) और पुरम (वीर कविताएँ)।

61. उत्तर C

- पंद्रहवीं शताब्दी में फारस के शासक द्वारा कालीकट (वर्तमान कोझीकोड) में भेजे गए एक राजदूत अब्दुर रज्जाक ने किलों की सात पंक्तियों का उल्लेख किया था। इनसे न केवल शहर बल्कि उसके कृषि क्षेत्र और जंगल भी घिर गए। सबसे बाहरी दीवार शहर के चारों ओर की पहाड़ियों को जोड़ती थी। अतः कथन 1 सही है।
- विशाल चिनाई निर्माण थोड़ा पतला था। निर्माण में कहीं भी मोर्टार या सीमेंटिंग एजेंट का उपयोग नहीं किया गया था। पत्थर के खंड पच्चर के आकार के थे, जो उन्हें अपनी जगह पर रखते थे, और दीवारों का आंतरिक भाग मलबे से भरी हुई मिट्टी का था। बाहर की ओर निकले हुए वर्गाकार या आयताकार बुर्ज। अतः कथन 2 सही है।
- आसपास के क्षेत्र शुष्क होने के कारण, वर्षा जल को संग्रहित करने और उसे शहर तक पहुँचाने के लिए विस्तृत व्यवस्था करनी पड़ी। इस तरह का सबसे महत्वपूर्ण टैंक पंद्रहवीं शताब्दी के शुरुआती वर्षों में बनाया गया था और अब इसे कमलापुरम टैंक कहा जाता है।
 - खंडहरों के बीच देखी जाने वाली सबसे प्रमुख जल संरचनाओं में से एक हिरिया नहर है। यह नहर तुंगभद्रा पर बने एक बांध से पानी खींचती थी और खेती योग्य घाटी को सिंचित करती थी। अतः कथन 3 सही है।



62. Answer B

- The old stone age or the Palaeolithic culture of India developed in the Pleistocene period of the Ice Age. The Pleistocene is the geological epoch that lasted from about 2,580,000 to 11,700 years ago, spanning the world's most recent period of repeated glaciations. Hence, statement 1 is correct.
- The Middle Palaeolithic industries were mainly based upon flakes. These flakes were found in different parts of India and show regional variations. The principal tools were varieties of blades, points, borers, and scrapers made of flakes. The microlithic industry developed during the Mesolithic phase. Hence, statement 2 is not correct.
- The Upper Paleolithic phase was less humid. It coincided with the last phase of the ice age when the climate became comparatively warm. The Paleolithic sites are found in hilly slopes and river valleys of the country and are absent in the alluvial plains of the Indus and the Ganga. Hence, statement 3 is correct.

62. उत्तर B

- भारत का पुराना पाषाण युग या पुरापाषाण संस्कृति हिम युग के प्लेइस्टोसिन काल में विकसित हुई। प्लेइस्टोसिन एक भूवैज्ञानिक युग है जो लगभग 2,580,000 से 11,700 साल पहले तक चला, जिसमें दुनिया में बार-बार होने वाले हिमनदों की सबसे हालिया अवधि शामिल है। अतः, कथन 1 सही है।
- मध्य पुरापाषाणिक उद्योग मुख्यतः शल्कों पर आधारित थे। ये गुच्छे भारत के विभिन्न भागों में पाए गए और क्षेत्रीय विविधताएँ दर्शाते हैं। प्रमुख उपकरण विभिन्न प्रकार के ब्लेड, पॉइंट, बोरर और फ्लेक्स से बने स्क्रैपर थे। सूक्ष्म पाषाण उद्योग मध्यपाषाण चरण के दौरान विकसित हुआ। इसलिए, कथन 2 सही नहीं है।
- ऊपरी पुरापाषाण काल कम आर्द्र था। यह हिमयुग के अंतिम चरण के साथ मेल खाता था जब जलवायु तुलनात्मक रूप से गर्म हो गई थी। पुरापाषाणकालीन स्थल देश की पहाड़ी ढलानों और नदी घाटियों में पाए जाते हैं और सिंधु और गंगा के जलोढ़ मैदानों में अनुपस्थित हैं। अतः, कथन 3 सही है।



63. Answer A

- Statement 1 is correct: The structure of the society was undergoing a change in the Gupta period and the caste system became rigid as the supremacy of the Brahmanas was increasing and they occupied the top ladder of the society. They were getting large-scale land grants not only from the rulers but from other people also. The land was given along with administrative rights and tax exemptions. Thus, a new class of brahmana landlords was created.
- Statement 2 is correct: The position of Shudras improved somewhat during the Gupta period. They were allowed to listen to religious texts like Ramayana and Mahabharata and the Puranas. They could also perform some domestic rituals that were earlier prohibited for them. In the seventh century, Hsuan Tsang called Shudras as agriculturists and the vaishyas as traders. Like shudras, women were allowed to listen to religious texts.
- Statement 3 is not correct: The position of women had also become miserable during the Gupta period. The subjection of women to men was thoroughly regularized. But it was insisted that they should be protected and generously treated by men. Women of higher-order did not have access to independent sources of livelihood in Gupta times. Women of lower varna were free to earn their livelihood, which gave them considerable freedom which was denied to women of upper varnas.

64. Answer D

- During the rule of Ashoka, arrangements were made for disposing of affairs of the people and to receive regular reports about them.
- Pativedakas were appointed to report about the affairs of the people at all times to the Ashoka.
- Epigraphists have translated the term Pativedaka as a reporter.

63. उत्तर ए

- कथन 1 सही है: गुप्त काल में समाज की संरचना में परिवर्तन हो रहा था और जैसे-जैसे ब्राह्मणों का वर्चस्व बढ़ रहा था, जाति व्यवस्था कठोर हो गई और उन्होंने समाज की शीर्ष सीढ़ी पर कब्जा कर लिया। उन्हें न केवल शासकों से बल्कि अन्य लोगों से भी बड़े पैमाने पर भूमि अनुदान मिल रहा था। ज़मीन प्रशासनिक अधिकारों और कर छूट के साथ दी गई थी। इस प्रकार, ब्राह्मण जमींदारों का एक नया वर्ग तैयार हो गया।
- कथन 2 सही है: गुप्त काल के दौरान शूद्रों की स्थिति में कुछ सुधार हुआ। उन्हें रामायण और महाभारत जैसे धार्मिक ग्रंथों और पुराणों को सुनने की अनुमति थी। वे कुछ घरेलू अनुष्ठान भी कर सकते थे जो पहले उनके लिए निषिद्ध थे। सातवीं शताब्दी में ह्वेनसांग ने शूद्रों को कृषक और वैश्यों को व्यापारी कहा था। शूद्रों की भाँति स्त्रियों को भी धार्मिक ग्रन्थ सुनने की अनुमति थी।
- कथन 3 सही नहीं है: गुप्त काल में महिलाओं की स्थिति भी दयनीय हो गई थी। पुरुषों के प्रति महिलाओं की अधीनता को पूरी तरह से नियमित कर दिया गया। लेकिन इस बात पर जोर दिया गया कि पुरुषों द्वारा उनकी रक्षा की जानी चाहिए और उनके साथ उदारतापूर्वक व्यवहार किया जाना चाहिए। गुप्त काल में उच्च वर्ग की महिलाओं को आजीविका के स्वतंत्र स्रोतों तक पहुंच नहीं थी। निचले वर्ण की महिलाएँ अपनी आजीविका कमाने के लिए स्वतंत्र थीं, जिससे उन्हें काफी स्वतंत्रता मिलती थी जो उच्च वर्ण की महिलाओं को नहीं मिलती थी।

64. उत्तर डी

- अशोक के शासनकाल में जनता के मामलों को निपटाने तथा उनके बारे में नियमित रिपोर्ट प्राप्त करने की व्यवस्था की गई थी।
- पतिवेदकों को हर समय लोगों के मामलों के बारे में अशोक को रिपोर्ट करने के लिए नियुक्त किया गया था।
- पुरालेखशास्त्रियों ने पाटिवेडका शब्द का अनुवाद संवाददाता के रूप में किया है।

65. Answer D

- By the twelfth century A.D., Buddhism was practically extinct in India. It continued to exist in a changed form in Bengal and Bihar till the twelfth century, but after that, this religion almost completely vanished from the country. What were its causes? We find that in the beginning every religion is inspired by the spirit of reform, but eventually, it succumbs to rituals and ceremonies it originally denounced. Buddhism underwent a similar metamorphosis. It became a victim to the evil of Brahmanism against which it had fought in the beginning. Hence statement 1 is correct.
- To meet the Buddhist challenge the brahmins reformed their religion. They stressed the need for preserving the cattle wealth and assured women and Sudras of admission to heaven. Buddhism, on the other hand, changed for the worse. Gradually the Buddhist monks were cut off from the mainstream of people's life; they gave up Pali, the language of the people, and took to Sanskrit, the language of intellectuals. Hence statement 2 is correct.

66. Answer C

- Archaeologists have discovered thousands of seals, mostly made of steatite, and occasionally of agate, chert, copper, faience, and terracotta, with beautiful figures of animals, such as unicorn bull, rhinoceros, tiger, elephant, bison, goat, buffalo, etc. Some seals have also been found in ivory. Hence, statements 1 and 2 are correct.
- Every seal is engraved in a pictographic script which is yet to be deciphered. Hence, statement 3 is correct.

65. उत्तर डी

- बारहवीं शताब्दी ई. तक भारत में बौद्ध धर्म व्यावहारिक रूप से विलुप्त हो गया था। बारहवीं सदी तक यह बंगाल और बिहार में परिवर्तित रूप में अस्तित्व में रहा, लेकिन उसके बाद यह धर्म देश से लगभग पूरी तरह लुप्त हो गया। इसके क्या कारण थे? हम पाते हैं कि शुरुआत में हर धर्म सुधार की भावना से प्रेरित होता है, लेकिन अंततः, यह उन रीति-रिवाजों और समारोहों के आगे झुक जाता है जिनकी उन्होंने मूल रूप से निंदा की थी। बौद्ध धर्म भी इसी तरह का कायापलट से गुजरा। यह ब्राह्मणवाद की उस बुराई का शिकार हो गया जिसके विरुद्ध इसने शुरुआत में लड़ाई लड़ी थी। अतः कथन 1 सही है।
- बौद्ध चुनौती का सामना करने के लिए ब्राह्मणों ने अपने धर्म में सुधार किया। उन्होंने पशुधन के संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया और महिलाओं और शूद्रों को स्वर्ग में प्रवेश का आश्वासन दिया, दूसरी ओर, बौद्ध धर्म बदतर स्थिति में बदल गया। धीरे-धीरे बौद्ध भिक्षु जन-जीवन की मुख्यधारा से कटते गये; उन्होंने लोगों की भाषा पाली को छोड़ दिया और बुद्धिजीवियों की भाषा संस्कृत को अपना लिया। अतः कथन 2 सही है।

66. उत्तर C

- पुरातत्वविदों ने हजारों मुहरें खोजी हैं, जो ज्यादातर स्टीटाइट से बनी हैं, और कभी-कभी एगेट, चर्ट, तांबे, फ़ाइनेस और टेराकोटा से बनी हैं, जिनमें गेंडा बैल, गैंडा, बाघ, हाथी, बाइसन, बकरी, भैंस, आदि जैसे जानवरों की सुंदर आकृतियाँ हैं। हाथी दांत की कुछ मुहरें भी मिली हैं। इसलिए, कथन 1 और 2 सही हैं।
- प्रत्येक मुहर एक चित्रात्मक लिपि में उत्कीर्ण है जिसे अभी तक समझा नहीं जा सका है। अतः, कथन 3 सही है।

67. Answer B

- They set up their rule in southern Karnataka around the fourth century. Their kingdom lay between that of the Pallavas in the east and of the Kadambas in the west. They are called Western Gangas or Gangas of Mysore in order to demarcate them from the Eastern Gangas who ruled in the Kalinga from the fifth century onwards. For most of the time, the Western Gangas were the feudatories of the Pallavas. Hence statement 2 is correct.
- The Western Gangas made land grants mostly to the Jainas; the Kadambas also made grants to the Jainas, but they favored the Brahmanas more. Pallavas also granted numerous villages free of taxes largely to the Brahmanas. Hence statement 3 is correct.
- Satavahanas: After the fall of the Mauryan Empire, the history of the Andhras, as a continuous account of political and cultural events, commences with the rise of the Satavahanas as a political power. According to Matsya Purana, there were 29 rulers of this dynasty. They ruled over the Andhradesa including Deccan for about 400 years from the 2nd century B.C. to beyond the 2nd century A.D. Satavahanas were also called Salivahanas and Satakarnis. In the 3rd century B.C., Simukha, the founder of the Satavahana dynasty, unified the various Andhra principalities into one kingdom and became its ruler (271 B.C. – 248 B.C.). Dharanikota near Amaravati in Guntur district was the first capital of Simukha, but later he shifted his capital to Pratishtana (Paithan in Aurangabad district). Thus the Satavahanas were not the contemporaries of the Western Gangas. Hence statement 1 is not correct.

RACE IAS General Studies

Rajesh Academy for Civil Examinations



RACE IAS General Studies

Rajesh Academy for Civil Examinations



67. उत्तर B

- उन्होंने चौथी शताब्दी के आसपास दक्षिणी कर्नाटक में अपना शासन स्थापित किया। उनका राज्य पूर्व में पल्लवों और पश्चिम में कदंबों के बीच था। उन्हें पश्चिमी गंगा या मैसूर की गंगा कहा जाता है ताकि उन्हें पूर्वी गंगा से अलग किया जा सके जिन्होंने पांचवीं शताब्दी से कलिंग में शासन किया था। अधिकांश समय तक पश्चिमी गंगा पल्लवों के सामंत थे। अतः कथन 2 सही है।
- पश्चिमी गंगा ने अधिकतर जैनियों को भूमि अनुदान दिया; कदंबों ने जैनियों को भी अनुदान दिया, लेकिन उन्होंने ब्राह्मणों का अधिक समर्थन किया। पल्लवों ने ब्राह्मणों को बड़े पैमाने पर करों से मुक्त कई गाँव भी दिए। अतः कथन 3 सही है।
- सातवाहन: मौर्य साम्राज्य के पतन के बाद, आंध्र का इतिहास, राजनीतिक और सांस्कृतिक घटनाओं के निरंतर विवरण के रूप में, एक राजनीतिक शक्ति के रूप में सातवाहन के उदय के साथ शुरू होता है। मत्स्य पुराण के अनुसार इस वंश के 29 शासक थे। उन्होंने ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी से लगभग 400 वर्षों तक दक्कन सहित आंध्रदेश पर शासन किया। दूसरी शताब्दी ई. से आगे तक सातवाहनों को सलिवाहन और शातकर्णी भी कहा जाता था। तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में, सातवाहन राजवंश के संस्थापक सिमुख ने विभिन्न आंध्र रियासतों को एक राज्य में एकीकृत किया और इसके शासक बने (271 ईसा पूर्व - 248 ईसा पूर्व)। गुंटूर जिले में अमरावती के पास धरणीकोटा सिमुखा की पहली राजधानी थी, लेकिन बाद में उन्होंने अपनी राजधानी प्रतिष्ठान (औरंगाबाद जिले में पैठण) में स्थानांतरित कर दी। इस प्रकार सातवाहन पश्चिमी गंगा के समकालीन नहीं थे। अतः कथन 1 सही नहीं है।



68. Answer D

- Escaping into the forest remained an option, as reflected in the Jataka story. Meanwhile, other strategies aimed at increasing production to meet the growing demand for taxes also came to be adopted. One such strategy was the shift to plough agriculture, which spread in fertile alluvial river valleys such as those of the Ganga and the Kaveri from c. sixth century BCE. Hence statement 1 is correct.
- Moreover, in some parts of the Ganga valley, the production of paddy was dramatically increased by the introduction of transplantation. Hence statement 2 is correct.
- Another strategy adopted to increase agricultural production was the use of irrigation, through wells and tanks, and less commonly, canals. Hence statement 3 is correct.

69. Answer C

- James Prinsep deciphered the Ashokan Brahmi in 1838. Hence statement 2 is correct.
- Brahmi scripts prevailed in the whole country except for the north-western part. Greek and Aramaic scripts were employed in writing Ashokan Inscriptions in Pakistan and Afghanistan.
- Brahmi continued to be the main script till the end of the Gupta period. Hence statement 3 is correct.
- The Kharosthi script (also known as 'Indo-Bactrian' script) was a writing system originally developed in present-day northern Pakistan, sometime between the 4th and 3rd century BCE.
 - It was employed to represent a form of Prakrit, an Indo-Aryan language.
 - It was written from right to left. Hence statement 1 is correct.

68. उत्तर डी

- जंगल में भागना एक विकल्प बना रहा, जैसा कि जातक कहानी में दर्शाया गया है। इस बीच, करों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से अन्य रणनीतियाँ भी अपनाई गईं। ऐसी ही एक रणनीति हल से खेती करने की ओर बदलाव थी, जो सी से गंगा और कावेरी जैसी उपजाऊ जलोढ़ नदी घाटियों में फैली हुई थी। छठी शताब्दी ईसा पूर्व. अतः कथन 1 सही है।
- इसके अलावा, गंगा घाटी के कुछ हिस्सों में, रोपाई की शुरुआत से धान के उत्पादन में नाटकीय रूप से वृद्धि हुई। अतः कथन 2 सही है।
- कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए अपनाई गई एक और रणनीति कुओं और टैंकों और कम सामान्यतः नहरों के माध्यम से सिंचाई का उपयोग थी। अतः कथन 3 सही है।

69. उत्तर C

- जेम्स प्रिंसेप ने 1838 में अशोकन ब्राह्मी को समझा। इसलिए कथन 2 सही है।
- उत्तर-पश्चिमी भाग को छोड़कर पूरे देश में ब्राह्मी लिपि प्रचलित थी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में अशोक के शिलालेख लिखने में ग्रीक और अरामी लिपियों का उपयोग किया गया था।
- गुप्त काल के अंत तक ब्राह्मी मुख्य लिपि बनी रही। अतः कथन 3 सही है।
- खरोष्ठी लिपि (जिसे 'इंडो-बैक्ट्रियन' लिपि के रूप में भी जाना जाता है) एक लेखन प्रणाली थी जो मूल रूप से वर्तमान उत्तरी पाकिस्तान में चौथी और तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व के बीच विकसित हुई थी।
 - इसका उपयोग प्राकृत, एक इंडो-आर्यन भाषा के एक रूप का प्रतिनिधित्व करने के लिए किया गया था।
 - यह दाएं से बाएं ओर लिखा जाता था। अतः कथन 1 सही है।

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



70. Answer C

- The Neolithic Age saw a man turning into a food producer from a food gatherer. It also witnessed the use of pottery for the first time. People used microlithic blades in addition to tools made of polished stone. The use of metal was unknown. Hence, statement 1 is correct.
- The Neolithic settlers were the earliest farming communities. They broke the ground with stone hoes and digging sticks at the end of which ring stones weighing one to half a kilogram were fixed. The people of the Neolithic Age cultivated ragi, horse gram, cotton, rice, wheat, and barley and hence were termed as food producers. Hence, statement 2 is correct.
- They domesticated cattle, sheep, and goats. For example, the Neolithic settlers in Piklihal were cattle-herders. They set up seasonal camps surrounded by Cowpens made with posts and stakes. In these enclosures, they accumulated dung. Then the entire camping ground was put to fire and cleared for camping the next session. But it is interesting that in Burzahom, domestic dogs were buried with their masters in their graves. Hence, statement 3 is correct.

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



70. उत्तर C

- नवपाषाण युग में मनुष्य भोजन संग्रहकर्ता से खाद्य उत्पादक बन गया। इसमें पहली बार मिट्टी के बर्तनों का उपयोग भी देखा गया। लोग पॉलिश किए गए पत्थर से बने औजारों के अलावा माइक्रोलिथिक ब्लेड का भी इस्तेमाल करते थे। धातु का उपयोग अज्ञात था। अतः, कथन 1 सही है।
- नवपाषाणकालीन निवासी सबसे शुरुआती कृषक समुदाय थे। उन्होंने पत्थर की कुदाल और खोदने वाली लकड़ियों से जमीन को तोड़ा, जिसके सिरे पर एक से आधा किलोग्राम वजन के रिंग पत्थर लगाए गए। नवपाषाण युग के लोग रागी, कुलथी, कपास, चावल, गेहूं और जौ की खेती करते थे और इसलिए उन्हें खाद्य उत्पादक कहा जाता था। अतः, कथन 2 सही है।
- वे गाय, भेड़ और बकरियों को पालते थे। उदाहरण के लिए, पिकलीहल में नवपाषाणकालीन निवासी पशुपालक थे। उन्होंने खंभों और खंभों से बने काउपेंसों से घिरे मौसमी शिविर स्थापित किए। इन बाड़ों में वे गोबर जमा करते थे। फिर पूरे कैम्पिंग ग्राउंड में आग लगा दी गई और अगले सत्र में कैम्पिंग के लिए साफ़ कर दिया गया। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि बुर्जहोम में घरेलू कुत्तों को उनके मालिकों के साथ उनकी कब्रों में दफनाया जाता था। अतः, कथन 3 सही है।



71. Answer D

- Statement 1 is incorrect: Saguna traditions focused on worship of specific deities in their anthropomorphic forms.
- Statement 2 is incorrect: Nirguna is the concept of worshipping an abstract form of God.

Bhakti and Sufi Traditions

- Historians of religion often classify bhakti traditions into two broad categories: Saguna (with attributes) and Nirguna (without attributes).
- Saguna included traditions that focused on the worship of specific deities such as Shiva, Vishnu and his avatars (incarnations) and forms of the goddess or Devi, all often conceptualized in anthropomorphic forms. In the Saguna aspect, God appears in a human form making it easier for us to come closer. There have been divine incarnations in every age to show people the path to Nirguna God.
- Nirguna bhakti, on the other hand, was worship of an abstract form of god. God in Nirguna form is in fact everywhere and in everything, but this is not easily comprehensible or “appealing” to our human intellect.
- The ultimate goal of humans is to become one in consciousness with the Nirguna form of God. But the medium through which we can reach this goal is the embodied form of God, Saguna.

71. उत्तर डी

- कथन 1 गलत है: सगुण परंपराएँ विशिष्ट देवताओं की उनके मानवरूपी रूपों में पूजा पर ध्यान केंद्रित करती हैं।
- कथन 2 गलत है: निर्गुण ईश्वर के अमूर्त रूप की पूजा करने की अवधारणा है।

भक्ति और सूफी परंपराएँ

- धर्म के इतिहासकार अक्सर भक्ति परंपराओं को दो व्यापक श्रेणियों में वर्गीकृत करते हैं: सगुण (विशेषताओं के साथ) और निर्गुण (विशेषताओं के बिना)।
- सगुण में ऐसी परंपराएँ शामिल थीं जो विशिष्ट देवताओं जैसे शिव, विष्णु और उनके अवतारों (अवतार) और देवी या देवी के रूपों की पूजा पर केंद्रित थीं, सभी को अक्सर मानवरूपी रूपों में परिकल्पित किया गया था। सगुण पहलू में, भगवान मानव रूप में प्रकट होते हैं जिससे हमारे लिए करीब आना आसान हो जाता है। लोगों को निर्गुण ईश्वर का मार्ग दिखाने के लिए हर युग में दैवीय अवतार हुए हैं।
- दूसरी ओर, निर्गुण भक्ति, ईश्वर के अमूर्त रूप की पूजा थी। निर्गुण रूप में ईश्वर वास्तव में हर जगह और हर चीज में है, लेकिन यह हमारी मानव बुद्धि के लिए आसानी से समझने योग्य या “आकर्षक” नहीं है।
- मनुष्य का अंतिम लक्ष्य ईश्वर के निर्गुण स्वरूप के साथ चेतना में एकाकार होना है। लेकिन जिस माध्यम से हम इस लक्ष्य तक पहुंच सकते हैं वह ईश्वर का साकार रूप सगुण है।

72. Answer C

- Conflict between Pallavas and Chalukyas The main reasons of conflict between the Pallavas and Chalukyas in the southern Indian region from the sixth to the eighth century were - To prove supremacy over the Tungabhadra - Krishna doab region To attain prestige in this region along with maximum plunder and territorial resources.
- The attempts by Pallava princes to cross the Tungabhadra also agitated the Chalukya rulers which aggravated their conflict and struggle.

73. Answer C

- Statement 1 is incorrect: Excavations carried out by the Tamil Nadu Department of Archaeology at Mayiladumparai in Krishnagiri district have placed the beginning of the Iron Age in Tamil Nadu 4,200 years Before the Present (BP) or 2200 BCE (Before Common Era).
- Statement 2 is incorrect: Sedentism (living in one place for a long time) , use of pottery, and invention of crafts are characteristic features of the Neolithic age.
- Statement 3 is incorrect: Three rock shelters with rock paintings were also found. The paintings were done invariably with white and red pigments.
- The amalgamation of evidence unearthed at Mangadu and Thelungaur in the Mettur taluk of Salem district and today's scientific data obtained for the samples at Mayiladumparai clearly placed the introduction of iron in Tamil Nadu 4,200 years ago.

74. Answer B

- Statement 1 is incorrect: The Chalcolithic age began in different parts of India, after the Neolithic age. However, people were not aware of the art of writing during this period and no specimens of the pictographic script have been found. The pictographic script belongs to the Indus Valley Civilization.
- The Chalcolithic people had a better knowledge of agriculture compared to the Neolithic culture and thus cultivated far more crops than the latter. In particular, they cultivated barley, wheat, and lentil in western India, and rice in southern and eastern India. Their cereal food was supplemented by no vegetarian food. During this people used metal (copper) for the first time. Hence it is known as the stone copper age.

72. उत्तर सी

- पल्लवों और चालुक्यों के बीच संघर्ष छठी से आठवीं शताब्दी तक दक्षिणी भारतीय क्षेत्र में पल्लवों और चालुक्यों के बीच संघर्ष के मुख्य कारण थे - तुंगभद्रा - कृष्णा दोआब क्षेत्र पर वर्चस्व साबित करना
- इस क्षेत्र में अधिकतम लूट के साथ-साथ प्रतिष्ठा प्राप्त करना तुंगभद्रा को पार करने के पल्लव राजकुमारों के प्रयासों ने भी चालुक्य शासकों को उत्तेजित कर दिया जिससे उनका संघर्ष और बढ़ गया।

73. उत्तर सी

- कथन 1 गलत है: तमिलनाडु पुरातत्व विभाग द्वारा कृष्णागिरि जिले के मयिलाडुम्पराई में की गई खुदाई से तमिलनाडु में लौह युग की शुरुआत वर्तमान (बीपी) से 4,200 साल पहले या 2200 ईसा पूर्व (सामान्य युग से पहले) बताई गई है।
- कथन 2 गलत है: सेडेंटिज्म (लंबे समय तक एक ही स्थान पर रहना), मिट्टी के बर्तनों का उपयोग और शिल्प का आविष्कार नवपाषाण युग की विशिष्ट विशेषताएं हैं।
- कथन 3 गलत है: शैलचित्रों वाले तीन शैलाश्रय भी पाए गए। चित्र हमेशा सफेद और लाल रंगों से बनाए जाते थे।
- सेलम जिले के मेटटूर तालुक में मंगदु और थेलुंगौर में खोदे गए साक्ष्यों और मयिलाडुम्पराई में नमूनों के लिए प्राप्त आज के वैज्ञानिक आंकड़ों के मिश्रण से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि तमिलनाडु में लोहे की शुरुआत 4,200 साल पहले हुई थी।

74. उत्तर बी

- कथन 1 गलत है: नवपाषाण युग के बाद भारत के विभिन्न हिस्सों में ताम्रपाषाण युग शुरू हुआ। हालाँकि, इस काल में लोग लेखन कला से परिचित नहीं थे और चित्रात्मक लिपि का कोई नमूना नहीं मिला है। चित्रात्मक लिपि सिंधु घाटी सभ्यता से संबंधित है।
- ताम्रपाषाणिक लोगों को नवपाषाणकालीन संस्कृति की तुलना में कृषि का बेहतर ज्ञान था और इस प्रकार वे नवपाषाणकालीन संस्कृति की तुलना में कहीं अधिक फसलें उगाते थे। विशेष रूप से, वे पश्चिमी भारत में जौ, गेहूँ और मसूर की खेती करते थे, और दक्षिणी और पूर्वी भारत में चावल की खेती करते थे। उनके अनाज के भोजन में शाकाहारी भोजन शामिल नहीं था। इस दौरान लोगों ने पहली बार धातु (तांबा) का उपयोग किया। इसलिए इसे पाषाण ताम्र युग के नाम से जाना जाता है।

75. Answer A

- Statement 1 is incorrect: Pallavas granted numerous villages free of taxes largely to the Brahmanas.
- Such grants find mention on stones as well as copper plates of the time. Such Brahmins villages were exempted from all kinds of taxes and got as many as 18 kinds of immunities from the state.
- The authority of the Pallavas extended over both southern Andhra and northern Tamil Nadu. They set up their capital at Kanchipuram.
- Statement 2 is incorrect: The founder of the Chola Empire was Vijayalaya, (not Rajaraja) who was at first a feudatory of the Pallavas.
- By the end of the ninth century, the Cholas had defeated both the Pallavas of Kanchi (Tondaimandalam) and weakened the Pandyas, bringing the southern Tamil region under their control.
- Statement 3 is correct: The Shore Temple at Mamallapuram and the Kailasanatha temple at Kanchipuram were built during the reign of the Pallava King Narasimhavarman II (695 - 722 A.D.).
- The Pallavas, the Kadambas, the Chalukyas of Badami, and their other contemporaries were great champions of Vedic sacrifices.

76. Answer C

Mauryan Economy:

- Kautilya mentions the existence of both civil and criminal courts.
- The chief justice of the Supreme Court at the capital was called Dharmathikarin.
- There were also subordinate courts at the provincial capitals and districts under Amatyas. Different kinds of punishment such as fines, imprisonment, mutilation and death were given to the offenders.
- The taking of the Census was regular during the Mauryan period.
- The village officials were to number the people along with other details like their caste and occupation.
- They were also to count the animals in each house.
- The census in the towns was taken by municipal officials to track the movement of population both foreign and indigenous. The data collected were cross checked by the spies.

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations

75. उत्तर ए

- कथन 1 गलत है: पल्लवों ने बड़े पैमाने पर ब्राह्मणों को करों से मुक्त कई गाँव दिए।
- इस तरह के अनुदानों का उल्लेख उस समय के पत्थरों और तांबे की प्लेटों पर भी मिलता है। ऐसे ब्राह्मण गाँवों को सभी प्रकार के करों से छूट दी गई थी और राज्य से 18 प्रकार की छूटें प्राप्त थीं।
- पल्लवों का अधिकार दक्षिणी आंध्र और उत्तरी तमिलनाडु दोनों पर फैला हुआ था। उन्होंने कांचीपुरम में अपनी राजधानी स्थापित की।
- कथन 2 गलत है: चोल साम्राज्य का संस्थापक विजयालय था, (राजराज नहीं) जो पहले पल्लवों का सामंत था।
- नौवीं शताब्दी के अंत तक, चोलों ने कांची (टोंडिमंडलम) के दोनों पल्लवों को हरा दिया था और पांड्यों को कमजोर कर दिया था, जिससे दक्षिणी तमिल क्षेत्र उनके नियंत्रण में आ गया था।
- कथन 3 सही है: मामल्लपुरम में तट मंदिर और कांचीपुरम में कैलासनाथ मंदिर पल्लव राजा नरसिम्हावर्मन द्वितीय (695 -722 ई.) के शासनकाल के दौरान बनाए गए थे।
- पल्लव, कदंब, बादामी के चालुक्य और उनके अन्य समकालीन वैदिक बलिदानों के महान समर्थक थे।

76. उत्तर सी

मौर्यकालीन अर्थव्यवस्था:

- कौटिल्य ने दीवानी और फौजदारी दोनों अदालतों के अस्तित्व का उल्लेख किया है।
- राजधानी में सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को धर्मधिकारिन कहा जाता था।
- अमात्यों के अधीन प्रांतीय राजधानियों और जिलों में भी अधीनस्थ अदालतें थीं। अपराधियों को जुर्माना, कारावास, अंग-भंग और मौत जैसी विभिन्न प्रकार की सज़ाएँ दी गईं।
- मौर्य काल के दौरान जनगणना नियमित रूप से की जाती थी।
- गाँव के अधिकारियों को लोगों की संख्या के साथ-साथ उनकी जाति और व्यवसाय जैसे अन्य विवरण भी देने थे।
- उन्हें प्रत्येक घर में जानवरों की गिनती भी करनी थी।
- विदेशी और स्वदेशी दोनों तरह की आबादी की आवाजाही पर नज़र रखने के लिए नगर निगम अधिकारियों द्वारा कस्बों में जनगणना की गई। एकत्र किए गए डेटा को जासूसों द्वारा क्रॉस चेक किया गया था।

77. Answer C

- Statement 2 is incorrect: The Rashtrakuta rule in the Deccan lasted for almost 200 years until the end of the 10th century. The rulers were tolerant of their religious views and patronized not only Shaivism and Vaishnavism but Jainism as well.
- Statement 3 is incorrect: They also engaged with the Pratiharas for the overlordship of Gujarat and Malwa.
- The famous rock cut temple of Shiva at Ellora was built by one of the Rashtrakuta Kings, Krishna I.
- Krishna maintained and symbolised his high imperial position also through the great works of art, the celebrated temple of Kailash at Ellora being the most prominent among them.

78. Answer B

- The authority of Pallavas extended over both southern Andhra and northern Tamil Nadu. They set up their capital at Kanchipuram. The early Pallavas came into conflict with the Kadambas, who had founded their rule in northern Karnataka and Konkan in the fourth century A.D. Hence, statement 1 is correct.
- Pallavas granted numerous villages free of taxes largely to the Brahmanas. We have as many as 16 land charters of the early Pallavas. A few, which seem to be earlier, are written on stone in Prakrit. But most of them were recorded on copper plates in Sanskrit. Hence, statement 3 is not correct.
- The Pallavas, the Kadambas, the Chalukyas of Badami, and their other contemporaries were great champions of Vedic sacrifices. They performed Ashvamedha and Vajapeya sacrifices. Hence, statement 2 is correct.

RACE IAS
General Studies

RACE IAS
Rajesh Academy for Civil Examinations

RACE IAS
General Studies

RACE IAS
Rajesh Academy for Civil Examinations

77. उत्तर सी

- कथन 2 गलत है: दक्कन में राष्ट्रकूट शासन 10वीं शताब्दी के अंत तक लगभग 200 वर्षों तक चला। शासक अपने धार्मिक विचारों के प्रति सहिष्णु थे और उन्होंने न केवल शैव और वैष्णव धर्म बल्कि जैन धर्म को भी संरक्षण दिया।
- कथन 3 गलत है: उन्होंने गुजरात और मालवा पर आधिपत्य के लिए प्रतिहारों से भी संपर्क किया।
- एलोरा में चट्टान को काटकर बनाया गया प्रसिद्ध शिव मंदिर राष्ट्रकूट राजाओं में से एक, कृष्ण प्रथम द्वारा बनवाया गया था।
- कृष्ण ने कला के महान कार्यों के माध्यम से भी अपनी उच्च शाही स्थिति को बनाए रखा और उसका प्रतीक बनाया, एलोरा का प्रसिद्ध कैलाश मंदिर उनमें से सबसे प्रमुख है।

78. उत्तर बी

- पल्लवों का अधिकार दक्षिणी आंध्र और उत्तरी तमिलनाडु दोनों पर फैला हुआ था। उन्होंने कांचीपुरम में अपनी राजधानी स्थापित की। प्रारंभिक पल्लव कदंबों के साथ संघर्ष में आए, जिन्होंने चौथी शताब्दी ईस्वी में उत्तरी कर्नाटक और कोंकण में अपना शासन स्थापित किया था। इसलिए, कथन 1 सही है।
- पल्लवों ने बड़े पैमाने पर ब्राह्मणों को करों से मुक्त कई गाँव दिए। हमारे पास प्रारंभिक पल्लवों के लगभग 16 भूमि चार्टर हैं। कुछ, जो पहले के प्रतीत होते हैं, प्राकृत भाषा में पत्थर पर लिखे गए हैं। लेकिन उनमें से अधिकांश तांबे की प्लेटों पर संस्कृत में दर्ज थे। इसलिए, कथन 3 सही नहीं है।
- पल्लव, कदंब, बादामी के चालुक्य और उनके अन्य समकालीन वैदिक बलिदानों के महान समर्थक थे। उन्होंने अश्वमेघ और वाजपेय यज्ञ किये। अतः, कथन 2 सही है।



79. Answer A

The administrative machinery of the Aryans in the Rig Vedic period worked with the tribal chief in the center, because of his successful leadership in war. He was called Rajan. It seems that in the Rig Vedic period the king's post had become hereditary. However, the Rajan was a kind of chief and he did not exercise unlimited power, for he had to reckon with the tribal assembly called the Samiti. Hence, statement 1 is not correct.

There were various tribal assemblies such as sabha, Samiti, vidatha, and gana are mentioned in the Rig Veda. They exercised deliberative, military, and religious functions. Even women attended sabha and vidatha in Rig Vedic times. Hence, statement 2 is correct.

But the two most important assemblies were the sabha and the Samiti. These two were so important that the chiefs or the kings showed eagerness to win their support.

In the day-to-day administration, the king was assisted by a few functionaries. The most important functionary seems to have been the purohita. The two priests who played a major part in the time of Rig Veda are Vasishtha and Vishvamitra. Vishvamitra composed the Gayatri mantra to widen the Aryan world. The priests inspired the tribal chiefs to action and lauded their exploits in return for handsome rewards in cows and women slaves. The next important functionary seems to be the senani, who used spears, axes, swords, etc. We do not come across any officer concerned with the collection of taxes. Hence, statement 3 is not correct.

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



79. उत्तर ए

- ऋग्वैदिक काल में आर्यों की प्रशासनिक मशीनरी युद्ध में उनके सफल नेतृत्व के कारण केंद्र में आदिवासी मुखिया के साथ काम करती थी। उन्हें राजन कहा जाता था। ऐसा प्रतीत होता है कि ऋग्वैदिक काल में राजा का पद वंशानुगत हो गया था। हालाँकि, राजन एक प्रकार का मुखिया था और वह असीमित शक्ति का प्रयोग नहीं करता था, क्योंकि उसे समिति नामक आदिवासी सभा के साथ समझौता करना पड़ता था। इसलिए, कथन 1 सही नहीं है।
- ऋग्वेद में सभा, समिति, विदथ और गण जैसी विभिन्न जनजातीय सभाओं का उल्लेख किया गया है। उन्होंने विचार-विमर्श, सैन्य और धार्मिक कार्य किए। ऋग्वैदिक काल में महिलाएं भी सभा और विदथ में भाग लेती थीं। अतः, कथन 2 सही है।
- लेकिन दो सबसे महत्वपूर्ण सभाएँ सभा और समिति थीं। ये दोनों इतने महत्वपूर्ण थे कि प्रमुखों या राजाओं ने उनका समर्थन हासिल करने के लिए उत्सुकता दिखाई।
- दिन-प्रतिदिन के प्रशासन में, राजा को कुछ पदाधिकारियों द्वारा सहायता प्रदान की जाती थी। ऐसा प्रतीत होता है कि सबसे महत्वपूर्ण पदाधिकारी पुरोहित था। ऋग्वेद के समय में प्रमुख भूमिका निभाने वाले दो पुजारी वशिष्ठ और विश्वामित्र हैं। विश्वामित्र ने आर्य जगत को व्यापक बनाने के लिए गायत्री मन्त्र की रचना की। पुजारियों ने आदिवासी प्रमुखों को कार्रवाई के लिए प्रेरित किया और गायों और महिला दासियों के रूप में अच्छे पुरस्कारों के बदले में उनके कारनामों की सराहना की। अगला महत्वपूर्ण पदाधिकारी सेनानी प्रतीत होता है, जो भाले, कुल्हाड़ी, तलवार आदि का उपयोग करता था। हमें कर्षण के संग्रह से संबंधित कोई भी अधिकारी नहीं मिला है। इसलिए, कथन 3 सही नहीं है।



80. Answer A

The sixth century BCE is often regarded as a major turning point in early Indian history. It is an era associated with early states, cities, the growing use of iron, the development of coinage, etc. It also witnessed the growth of diverse systems of thought, including Buddhism and Jainism. Early Buddhist and Jaina texts mention, amongst other things, sixteen states known as mahajanapadas.

Although the lists vary, some names such as Vajji, Magadha, Koshala, Kuru, Panchala, Gandhara, and Avanti occur frequently. Clearly, these were amongst the most important mahajanapadas. While most mahajanapadas were ruled by kings, some, known as ganas or sanghas, were oligarchies, where power was shared by a number of men, often collectively called rajas. Hence, statement 2 is not correct.

Both Mahavira and the Buddha belonged to such ganas. In some instances, as in the case of the Vajji sangha, the rajas probably controlled resources such as land collectively. Although their histories are often difficult to reconstruct due to the lack of sources, some of these states lasted for nearly a thousand years. Each mahajanapada had a capital city, which was often fortified. Maintaining these fortified cities as well as providing for incipient armies and bureaucracies required resources. Brahmanas began composing Sanskrit texts known as the Dharmasutras. These laid down norms for rulers (as well as for other social categories), who were ideally expected to be Kshatriyas. Rulers were advised to collect taxes and tribute from cultivators, traders, and artisans. Hence, statement 1 is correct.

Raids in neighboring states were recognized as a legitimate means of acquiring wealth. Gradually, some states acquired standing armies and maintained regular bureaucracies. Others continued to depend on the militia, recruited, more often than not, from the peasantry. Hence, statement 3 is correct.

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



80. उत्तर ए

- छठी शताब्दी ईसा पूर्व को अक्सर प्रारंभिक भारतीय इतिहास में एक प्रमुख मोड़ माना जाता है। यह प्रारंभिक राज्यों, शहरों, लोहे के बढ़ते उपयोग, सिक्कों के विकास आदि से जुड़ा युग है। इसमें बौद्ध धर्म और जैन धर्म सहित विचार की विविध प्रणालियों का विकास भी देखा गया। प्रारंभिक बौद्ध और जैन ग्रंथों में, अन्य बातों के अलावा, सोलह राज्यों का उल्लेख है जिन्हें महाजनपद के नाम से जाना जाता है।
- हालाँकि सूचियाँ अलग-अलग हैं, कुछ नाम जैसे वज्जि, मगध, कोशला, कुरु, पंचाल, गांधार और अवंती अक्सर आते हैं। स्पष्टतः, ये सबसे महत्वपूर्ण महाजनपदों में से थे। जबकि अधिकांश महाजनपदों पर राजाओं का शासन था, कुछ, जिन्हें गण या संघ के नाम से जाना जाता था, कुलीनतंत्र थे, जहाँ सत्ता कई लोगों द्वारा साझा की जाती थी, जिन्हें अक्सर सामूहिक रूप से राजा कहा जाता था। इसलिए, कथन 2 सही नहीं है।
- महावीर और बुद्ध दोनों ऐसे गणों के थे। कुछ उदाहरणों में, जैसे कि वज्जि संघ के मामले में, राजा संभवतः भूमि जैसे संसाधनों को सामूहिक रूप से नियंत्रित करते थे। हालाँकि स्रोतों की कमी के कारण उनके इतिहास का पुनर्निर्माण अक्सर कठिन होता है, इनमें से कुछ राज्य लगभग एक हजार वर्षों तक चले। प्रत्येक महाजनपद की एक राजधानी होती थी, जो प्रायः किलेबंद होती थी। इन गढ़वाले शहरों को बनाए रखने के साथ-साथ प्रारंभिक सेनाओं और नौकरशाही को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए भी। ब्राह्मणों ने संस्कृत ग्रंथों की रचना शुरू की जिन्हें धर्मसूत्र के नाम से जाना जाता है। ये शासकों (साथ ही अन्य सामाजिक श्रेणियों के लिए) के लिए मानदंड निर्धारित करते थे, जिनसे आदर्श रूप से क्षत्रिय होने की उम्मीद की जाती थी। शासकों को किसानों, व्यापारियों और कारीगरों से कर और श्रद्धांजलि वसूल करने की सलाह दी गई। अतः, कथन 1 सही है।
- पड़ोसी राज्यों में छापेमारी को धन अर्जित करने का एक वैध साधन माना गया। धीरे-धीरे, कुछ राज्यों ने स्थायी सेनाएँ हासिल कर लीं और नियमित नौकरशाही बनाए रखीं। अन्य लोगों ने मिलिशिया पर निर्भर रहना जारी रखा, जिनकी भर्ती अक्सर किसानों से की जाती थी। अतः, कथन 3 सही है।



81. Answer A

- Statement 1 is incorrect: Bronze casting was widely practised in the Harappan civilization.
- The bronze sculptures were made using the "Lost Wax Technique".
- Statement 3 is incorrect: The Dhamekh Stupa in Sarnath is a massive Gupta-era cylindrical building made partly of stone and partially of brick.
- The stone sub-structure features eight projecting faces with enormous niches for sculpture, as well as finely carved floral and geometrical designs.
- The Guptas followed the weight system of Kushana gold coins.
- The early Kushan kings issued many gold coins with more metallic purity than the Guptas gold coins.

82. Answer A

- Statement 1 is correct: The Gupta kings maintained a regular department for the proper survey and measurement of land as well as for the collection of land revenue.
- Another prominent high official was Pustapala (record-keeper). It was his duty to make enquiries before recording any transaction.
- Statement 2 is incorrect: The Brahmanas came to be recognized as the purest and therefore the highest Varna.
- Since they were associated with Sanskrit learning and performed priestly functions, they came to be closely connected with royal power.
- Statement 3 is incorrect: Commercial activities continued in the Gupta period are evident.
- Like their Kushana predecessors, the Gupta rulers too, minted coins of different types, and the gold coins of the Gupta rulers.
- Statement 4 is incorrect: During the Gupta period, the Sarthavaha was a caravan trader.
- He carried his merchandise to different places for profitable sale.
- Sarthavahas often sold their goods three or four times their original price.

81. उत्तर ए

- कथन 1 गलत है: हड़प्पा सभ्यता में कांस्य ढलाई का व्यापक रूप से अभ्यास किया जाता था।
- कांस्य की मूर्तियाँ "लॉस्ट वैक्स तकनीक" का उपयोग करके बनाई गई थीं।
- कथन 3 गलत है: सारनाथ में धमेख स्तूप एक विशाल गुप्तकालीन बेलनाकार इमारत है जो आंशिक रूप से पत्थर और आंशिक रूप से ईंट से बनी है।
- पत्थर की उप-संरचना में आठ उभरे हुए चेहरे हैं जिनमें मूर्तिकला के लिए विशाल जगहें हैं, साथ ही बारीक नक्काशीदार पुष्प और ज्यामितीय डिजाइन भी हैं।
- गुप्तों ने कुषाण सोने के सिक्कों की वजन प्रणाली का पालन किया।
- प्रारंभिक कुषाण राजाओं ने गुप्तकालीन सोने के सिक्कों की तुलना में अधिक धात्विक शुद्धता वाले कई सोने के सिक्के जारी किए।

82. उत्तर ए

- कथन 1 सही है: गुप्त राजाओं ने भूमि के उचित सर्वेक्षण और माप के साथ-साथ भू-राजस्व के संग्रह के लिए एक नियमित विभाग बनाए रखा।
- एक अन्य प्रमुख उच्च अधिकारी पुस्तापाल (रिकॉर्ड-कीपर) था। किसी भी लेनदेन को रिकॉर्ड करने से पहले पूछताछ करना उसका कर्तव्य था।
- कथन 2 गलत है: ब्राह्मणों को सबसे शुद्ध और इसलिए सर्वोच्च वर्ण के रूप में पहचाना जाने लगा।
- चूँकि वे संस्कृत शिक्षा से जुड़े थे और पुरोहिती कार्य करते थे। वे शाही सत्ता के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए थे।
- कथन 3 गलत है: गुप्त काल में जारी वाणिज्यिक गतिविधियाँ स्पष्ट हैं।
- अपने कुषाण पूर्ववर्तियों की तरह, गुप्त शासकों ने भी, विभिन्न प्रकार के सिक्के और गुप्त शासकों के सोने के सिक्के चलाए।
- कथन 4 गलत है: गुप्त काल के दौरान, सार्थवाह एक कारवां व्यापारी था।
- वह लाभदायक बिक्री के लिए अपना माल विभिन्न स्थानों पर ले जाता था।
- सार्थवाह अक्सर अपना सामान उनकी मूल कीमत से तीन या चार गुना अधिक बेचते थे।



83. Answer B

- Statement 1 is Correct: In Harsha's empire, law and order was not well maintained.
- Hsuan Tsang was robbed of his belongings, although he reports that according to the laws of the land, severe punishments were inflicted for crime.
- Robbery was considered to be a second treason for which the right hand of the robber was amputated.
- Statement 2 is incorrect: Kannauj assembly was convened to publicise and popularise the doctrines of Mahayana Buddhism (not Hinayana Buddhism).
- The Kannauj assembly (643 AD) was held in the honour of Hieun Tsang (Chinese pilgrim).
- Statement 3 is correct: Chinese pilgrim Hsuan Tsang, left China in AD 629 for India to study and collect Buddhist texts in Nalanda University (Bihar) during the reign of Harsha.

84. Answer A

- Statement 1 is correct: The grihapati of the Rigveda was not a house holder heading a patriarchal joint family but the head of an extended kin-group which had residential unity and formed one unit for social, economic and ritual purposes, protection and prosperity of his kin-group person or a widower.
- Statement 2 is incorrect: There was no child marriage in the Rig-Veda society. Girls lived in the house of their parents till they attained marriageable age. They had freedom to select their husbands. The Vedic women took part in the highest socio-religious duties. There was no purdah and sati system at that time.
- Statement 3 is correct: The Aryans believed in the system of Chaturashrama or the four-fold division of one's life.

RACE IAS
General Studies

RACE IAS
Rajesh Academy for Civil Examinations



RACE IAS
General Studies

RACE IAS
Rajesh Academy for Civil Examinations



83. उत्तर बी

- कथन 1 सही है: हर्ष के साम्राज्य में, कानून और व्यवस्था अच्छी तरह से बनाए नहीं रखी गई थी।
- ह्वेन त्सांग से उसका सामान लूट लिया गया, हालाँकि उसने बताया कि देश के कानून के अनुसार, अपराध के लिए कड़ी सज़ा दी गई थी।
- डकैती को दूसरा देशद्रोह माना जाता था जिसके लिए डाकू का दाहिना हाथ काट दिया जाता था।
- कथन 2 गलत है: कन्नौज विधानसभा महायान बौद्ध धर्म (हीनयान बौद्ध धर्म नहीं) के सिद्धांतों को प्रचारित और लोकप्रिय बनाने के लिए बुलाई गई थी।
- कन्नौज सभा (643 ई.) ह्वेन त्सांग (चीनी तीर्थयात्री) के सम्मान में आयोजित की गई थी।
- कथन 3 सही है: चीनी तीर्थयात्री ह्वेन त्सांग, हर्ष के शासनकाल के दौरान नालंदा विश्वविद्यालय (बिहार) में बौद्ध ग्रंथों का अध्ययन और संग्रह करने के लिए 629 ई. में चीन छोड़कर भारत चले गए।

84. उत्तर ए

- कथन 1 सही है: ऋग्वेद का गृहपति पितृसत्तात्मक संयुक्त परिवार का मुखिया नहीं था, बल्कि एक विस्तारित परिजन-समूह का मुखिया था, जिसमें आवासीय एकता थी और जो अपने सामाजिक, आर्थिक और अनुष्ठान उद्देश्यों, सुरक्षा और समृद्धि के लिए एक इकाई का गठन करता था।
- कथन 2 गलत है: ऋग्वेद समाज में कोई बाल विवाह नहीं था। लड़कियाँ विवाह योग्य आयु प्राप्त करने तक अपने माता-पिता के घर में रहती थीं। उन्हें अपना पति चुनने की स्वतंत्रता थी। वैदिक स्त्रियाँ सर्वोच्च सामाजिक-धार्मिक कर्तव्यों में भाग लेती थीं। उस समय पर्दा प्रथा और सती प्रथा नहीं थी।
- कथन 3 सही है: आर्य चतुराश्रम या किसी के जीवन के चार गुना विभाजन की प्रणाली में विश्वास करते थे।



85. Answer D

- Statement 1 is correct: Most important change was the evolution of the caste system. Various sub castes evolved in addition to the traditional four-castes. The Brahmanas and Kshatriyas emerged as the two leading castes out of the general mass of the population, known as vaisyas. The vaisyas were superior to the sudras but their position was steadily deteriorating. The structure of the caste system became hereditary.
- Statement 2 is correct: A vast mass of vedic literature as well as a highly developed intellectual life speaks abundantly about a well-planned system of education in the later Vedic Period.
- Statement 3 is correct: In the later Vedic age, rice became a staple food of the people. Gradually the practice of eating meat was declined. Killing of cows was looked at with disfavor. Wool was used in addition to cotton.
- Statement 4 is correct: With the growth of civilization, the volume of trade and commerce had increased by leaps and bounds. Both inland and overseas trades were developed. Inland trade was carried on with the Kiratas inhabiting the mountains. They exchanged the herbs for clothes, mattresses and skins. The people became familiar with the navigation of the seas. Regular coinage was not started.

86. Answer A

- Statement 1 is incorrect: The Rig Vedic gods, Varun, Indra, Agni, Surya, Usha etc. lost their charm. The people worshipped them with less zeal.
- Statement 2 is incorrect: New gods like Siva, Rupa, Vishnu, Brahma etc. appeared in the religious firmament of the Later Vedic Period.
- During this period the rites and ceremonies of Vedic religion were elaborated and became complex. In the Rig Vedic age Yajnas were a simple affair which every householder could do.
- Statement 3 is correct: But in the later Vedic age, sacrifice became an important thing in worship. Now the priestly class devoted their energy to find out the hidden and mystic meaning of the rites and ceremonies.

RACE IAS
General Studies

RACE IAS
Rajesh Academy for Civil Examinations



RACE IAS
General Studies

RACE IAS
Rajesh Academy for Civil Examinations



85. उत्तर डी

- कथन 1 सही है: सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन जाति व्यवस्था का विकास था। पारंपरिक चार-जातियों के अलावा विभिन्न उपजातियाँ विकसित हुईं। ब्राह्मण और क्षत्रिय जनसंख्या के सामान्य समूह में से दो प्रमुख जातियों के रूप में उभरे, जिन्हें वैश्य कहा जाता है। वैश्य शूद्रों से श्रेष्ठ थे लेकिन उनकी स्थिति लगातार गिरती जा रही थी। जाति व्यवस्था की संरचना वंशानुगत हो गई।
- कथन 2 सही है: वैदिक साहित्य का एक विशाल समूह और साथ ही एक अत्यधिक विकसित बौद्धिक जीवन उत्तर वैदिक काल में शिक्षा की एक सुनियोजित प्रणाली के बारे में प्रचुरता से बात करता है।
- कथन 3 सही है: उत्तर वैदिक युग में, चावल लोगों का मुख्य भोजन बन गया। धीरे-धीरे मांस खाने का चलन कम हो गया। गाय की हत्या को हेय दृष्टि से देखा जाता था। कपास के अतिरिक्त ऊन का प्रयोग किया जाता था।
- कथन 4 सही है: सभ्यता के विकास के साथ, व्यापार और वाणिज्य की मात्रा में कई गुना वृद्धि हुई थी। अंतर्देशीय और विदेशी व्यापार दोनों का विकास हुआ। पहाड़ों पर रहने वाले किरातों के साथ अंतर्देशीय व्यापार होता था। उन्होंने कपड़ों, गद्दों और खालों के बदले जड़ी-बूटियों का आदान-प्रदान किया। लोग समुद्र में नौसंचालन से परिचित हो गये। नियमित सिक्का निर्माण प्रारम्भ नहीं किया गया था।

86. उत्तर ए

- कथन 1 गलत है: ऋग्वैदिक देवताओं, वरुण, इंद्र, अग्नि, सूर्य, उषा आदि ने अपना आकर्षण खो दिया। लोग कम उत्साह से उनकी पूजा करते थे।
- कथन 2 गलत है: शिव, रूप, विष्णु, ब्रह्मा आदि जैसे नए देवता उत्तर वैदिक काल के धार्मिक आकाश में प्रकट हुए।
- इस काल में वैदिक धर्म के रीति-रिवाज विस्तृत और जटिल होते गये। ऋग्वैदिक युग में यज्ञ एक साधारण कार्य था जिसे प्रत्येक गृहस्थ कर सकता था।
- कथन 3 सही है: लेकिन उत्तर वैदिक युग में, पूजा में बलि एक महत्वपूर्ण चीज़ बन गई। अब पुरोहित वर्ग ने अनुष्ठानों और समारोहों के छिपे और रहस्यमय अर्थ का पता लगाने के लिए अपनी ऊर्जा समर्पित कर दी।



87. Answer D

- Statement 1 is correct: The Rigveda mentions the following rivers: Kubha (modern Kabul), the Suvastu (Swat), the Krumu (Kurram), the Gomati (Gumal), the Sindhu (Indus) and its five tributaries viz., Vitasta (Jhelum), Askini (Chenab), Parushni (Ravi), Sutudri (Sutlej) and Vipasa (Beas), the Sushoma (Sohan), the Marudvridha (Maruwardwan), the Sarasvati, the Drishadvati (the Rakshi or Chitang), the Yamuna, the Ganga and the Sarayu.
- Statement 2 is correct: The mention of these rivers implies the possession by the Aryans of a considerable portion of the country stretching from eastern Afghanistan to the upper valley of the Ganges. The major part of this area came to be known as Sapta Sindhu or the land of the seven rivers by the Aryans (comprising the five tributaries of the river Indus, Indus and the Sarasvati). The country of the Aryans was also designated as Aryavarta in the latter scriptures.
- Statement 3 is correct: Rig Vedic or Early Vedic Period is considered to be between 1500B.C. And 1000 B.C.

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



87. उत्तर डी

- कथन 1 सही है: ऋग्वेद में निम्नलिखित नदियों का उल्लेख है: कुभा (आधुनिक काबुल), सुवास्तु (स्वात), क्रुमु (कुर्रम), गोमती (गुमल), सिंधु (सिंधु) और इसकी पांच सहायक नदियाँ, वितस्ता (झेलम), अस्किनी (चिनाब), परुष्णी (रावी), सुतुद्री (सतलज) और विपासा (ब्यास), सुशोमा (सोहन), मरुदवृध (मरुवर्धन), सरस्वती, दृषद्वती (राक्षी या चितांग), यमुना, गंगा और सरयू।
- कथन 2 सही है: इन नदियों का उल्लेख पूर्वी अफगानिस्तान से लेकर गंगा की ऊपरी घाटी तक फैले देश के एक बड़े हिस्से पर आर्यों के कब्जे का संकेत देता है। इस क्षेत्र के बड़े हिस्से को आर्यों द्वारा सप्त सिंधु या सात नदियों की भूमि (जिसमें सिंधु, सिंधु और सरस्वती नदी की पांच सहायक नदियाँ शामिल थीं) के रूप में जाना जाने लगा। बाद के ग्रंथों में आर्यों के देश को आर्यावर्त भी कहा गया है।
- कथन 3 सही है: ऋग्वैदिक या प्रारंभिक वैदिक काल 1500 ईसा पूर्व और 1000 ईसा पूर्व के बीच माना जाता है।



88. Answer C

- Statements 1 and 3 are correct: Town used to have an upper citadel and lower citadel. Upper citadel used to house the ruling class and the lower citadel was for the common people. The houses were designed around an inner courtyard and contained pillared halls, bath rooms, paved floors, kitchen, well etc. Besides residential quarters, elaborate structures have also been found. One of these buildings has got the biggest hall measuring 80 ft long and 80 ft wide. It might have been a palace, or temple or hall for holding meetings.
- The streets were straight and cut at right angles. They were 13 to 34 feet wide and were well lined. The streets and roads divided the city into rectangular blocks. Archaeologists have discovered the lamp posts at intervals. This suggests the existence of street lights. Dustbins were also provided on the streets. These prove the presence of good municipal administration.
- Statement 2 is correct: One of the most remarkable features of the Indus valley civilization is that the city was provided with an excellent closed drainage system. Each house had its own drainage and soak pit which was connected to the public drainage. Brick laid channels flowed through every street. They were covered and had manholes at intervals for cleaning and clearing purposes. Large brick culverts with corbelled roofs were constructed on the outskirts of the city to carry excess water. Thus the Indus people had a perfect underground drainage system. No other contemporary civilization gave so much attention to cleanliness.

88. उत्तर सी

- कथन 1 और 3 सही हैं: शहर में एक ऊपरी गढ़ और निचला गढ़ हुआ करता था। ऊपरी गढ़ शासक वर्ग का आवास था और निचला गढ़ आम लोगों के लिए था। घरों को एक आंतरिक आंगन के चारों ओर डिजाइन किया गया था और इसमें स्तंभ वाले हॉल, स्नान कक्ष, पक्के फर्श, रसोई, कुएं आदि शामिल थे। आवासीय क्वार्टरों के अलावा, विस्तृत संरचनाएं भी मिली हैं। इनमें से एक इमारत में 80 फीट लंबा और 80 फीट चौड़ा सबसे बड़ा हॉल है। यह शायद कोई महल, मंदिर या बैठकें आयोजित करने का हॉल रहा होगा।
- सड़कें सीधी और समकोण पर कटी हुई थीं। वे 13 से 34 फीट चौड़े थे और अच्छी तरह से पंक्तिबद्ध थे। गलियों और सड़कों ने शहर को आयताकार खंडों में विभाजित कर दिया। पुरातत्वविदों ने अंतराल पर लैंप पोस्ट की खोज की है। इससे स्ट्रीट लाइट के अस्तित्व का पता चलता है। सड़कों पर कूड़ेदान भी उपलब्ध कराए गए। ये अच्छे नगरपालिका प्रशासन की उपस्थिति को सिद्ध करते हैं।
- कथन 2 सही है: सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे उल्लेखनीय विशेषताओं में से एक यह है कि शहर को एक उत्कृष्ट बंद जल निकासी प्रणाली प्रदान की गई थी। प्रत्येक घर की अपनी जल निकासी और सोखता गड्ढा होता था जो सार्वजनिक जल निकासी से जुड़ा होता था। हर सड़क पर ईंटों से बनी नालियाँ बहती थीं। वे ढके हुए थे और सफ़ाई और सफ़ाई के लिए बीच-बीच में मैनहोल थे। अतिरिक्त पानी ले जाने के लिए शहर के बाहरी इलाके में पक्की छतों वाली ईंटों की बड़ी-बड़ी पुलियाएँ बनाई गईं। इस प्रकार सिन्धु लोगों के पास उत्तम भूमिगत जल निकासी व्यवस्था थी। किसी अन्य समकालीन सभ्यता ने स्वच्छता पर इतना ध्यान नहीं दिया।

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



89. Answer C

- Statement 1 is correct: The Harappan people were familiar with many precious stones like agate, carnelian, steatite, lapis lazuli, turquoise etc. A manufacturing unit at Chanhudaro bears testimony to it. Beads recovered from Chanhudaro, Mohenjo-Daro and Lothal indicate their use in necklaces. The weight and measure was done with stone-slabs of varying sizes. Combs, ear-rings and ornaments were also made from ivory.
- Statement 2 is correct: A variety of crops were grown in this area. Indus Valley people grew wheat, barley, melons, oils, dates, field peas, cotton, and possibly rice.
- Statement 3 is correct: The discovery of granaries, pottery, seals for trade, weights and measures and an urban planned city confirms that IVC was a surplus economy.

90. Answer C

- Pair 2 is incorrectly matched: Kayatha culture (2100 BC–2000 BC) prospered at Kayatha in Chambal of Madhya Pradesh. Chalcolithic Communities of Non-Harappan India The important non-Harappan chalcolithic cultures lay mainly in western India and Deccan.
- These include Banas culture (2600 BC–1900 BC) in south-east Rajasthan, with Ahar near Udaipur and Gilund as its key-sites; Kayatha culture (2100 BC–2000 BC) with Kayatha in Chambal as its chief site in Madhya Pradesh; Malwa Culture (1700 BC–1400 BC) with Navdatoli in Western Madhya Pradesh as an important site, and Jorwe culture (1400 BC–700BC) with Inamgaon and Chandoli near Pune in Maharashtra as its chief centres.
- The evidence of the chalcolithic cultures also comes from eastern Uttar Pradesh, Bihar and Bengal.

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



89. उत्तर सी

- कथन 1 सही है: हड़प्पा के लोग कई कीमती पत्थरों जैसे एगेट, कारेलियन, स्टीटाइट, लैपिस लाजुली, फ़िरोज़ा आदि से परिचित थे। चन्हुदड़ो की एक विनिर्माण इकाई इसकी गवाही देती है। चन्हुदड़ो, मोहनजो-दारो और लोथल से प्राप्त मोतियों से हार में उनके उपयोग का संकेत मिलता है। वजन और माप अलग-अलग आकार के पत्थर के स्लैब से किया जाता था। कंघी, कान की बालियाँ और आभूषण भी हाथी दांत से बनाए जाते थे।
- कथन 2 सही है: इस क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की फसलें उगाई जाती थीं। सिंधु घाटी के लोग गेहूं, जौ, खरबूजे, तेल, खजूर, मटर, कपास और संभवतः चावल उगाते थे।
- कथन 3 सही है: अन्न भंडार, मिट्टी के बर्तन, व्यापार के लिए मुहरें, बाट और माप और एक शहरी नियोजित शहर की खोज इस बात की पुष्टि करती है कि आईवीसी एक अधिशेष अर्थव्यवस्था थी।

90. उत्तर सी

- जोड़ी 2 गलत तरीके से मेल खाती है: कायथा संस्कृति (2100 ईसा पूर्व-2000 ईसा पूर्व) मध्य प्रदेश के चंबल में कायथा में समृद्ध हुई। गैर-हड़प्पा भारत के ताम्रपाषाण समुदाय महत्वपूर्ण गैर-हड़प्पा ताम्रपाषाण संस्कृतियां मुख्य रूप से पश्चिमी भारत और दक्कन में थीं।
- इनमें दक्षिण-पूर्व राजस्थान में बनास संस्कृति (2600 ईसा पूर्व-1900 ईसा पूर्व), उदयपुर के पास अहार और गिलुंड इसके प्रमुख स्थल हैं; कायथा संस्कृति (2100 ई.पू.-2000 ई.पू.) जिसका मुख्य स्थल मध्य प्रदेश में चंबल में कायथा है; मालवा संस्कृति (1700 ईसा पूर्व-1400 ईसा पूर्व) जिसमें पश्चिमी मध्य प्रदेश में नवदाटोली एक महत्वपूर्ण स्थल था, और जोर्वे संस्कृति (1400 ईसा पूर्व-700 ईसा पूर्व) जिसके मुख्य केंद्र महाराष्ट्र में पुणे के पास इनामगांव और चंदोली थे।
- ताम्रपाषाणिक संस्कृतियों के साक्ष्य पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और बंगाल से भी मिलते हैं।



91. Answer A

- M. Rafiq Mughal believes that the Harappan civilization developed in Harappa in the Ravi River region. He refuted the old belief that the Harappan civilization took inspiration from Mesopotamian civilization.

92. Answer C

- There is mention of armor (varma) in Rigveda and probably the Aryans of the Rigveda period used armor and headgear (helmet) made of iron and gold.
- Whereas there is no evidence of its use among the people of Indus Valley civilization.
- The war-related equipment obtained from the excavations at the sites of the Indus Valley Civilization is of very simple quality, which indicates that they paid special attention to material comforts.
- The Aryans of the Rig Veda period had knowledge of gold, silver and copper.
- The people of the Indus Valley period had knowledge only of copper and bronze.
- Iron was prevalent in North India between 1000 BC – 600 BC It happened between.
- The most important and majestic god of the Rig Vedic Aryans was Indra.
- It has been called by different names in Rigveda.
- He has been called Purandar i.e. destroyer of forts.
- He is depicted as a war leader.
- The people of the Indus Valley worshipped Mother Goddess, Pashupati Shiva, Linga and Yoni.
- The Aryans of the Rig Vedic period had domesticated the horse, with the help of which they used to win wars.

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



91. उत्तर ए

एम. रफीक मुगल का मानना है कि हड़प्पा सभ्यता का विकास रावी नदी क्षेत्र में हड़प्पा में हुआ था। उन्होंने उस पुरानी धारणा का खंडन किया कि हड़प्पा सभ्यता ने मेसोपोटामिया सभ्यता से प्रेरणा ली थी।

92. उत्तर C

- ऋग्वेद में कवच (वर्मा) का उल्लेख है और संभवतः ऋग्वेद काल के आर्य लोहे और सोने से बने कवच और टोपी (हेलमेट) का उपयोग करते थे।
- जबकि सिंधु घाटी सभ्यता के लोगों के बीच इसके उपयोग का कोई प्रमाण नहीं है।
- सिंधु घाटी सभ्यता के स्थलों की खुदाई से प्राप्त युद्ध संबंधी उपकरण अत्यंत साधारण गुणवत्ता के हैं, जिससे पता चलता है कि वे भौतिक सुख-सुविधाओं पर विशेष ध्यान देते थे।
- ऋग्वेद काल के आर्यों को सोना, चांदी और तांबे का ज्ञान था।
- सिंधु घाटी काल के लोगों को केवल तांबे और कांस्य का ही ज्ञान था।
- उत्तर भारत में लोहे का प्रचलन 1000 ईसा पूर्व - 600 ईसा पूर्व के बीच हुआ था।
- ऋग्वैदिक आर्यों का सबसे महत्वपूर्ण एवं प्रतापी देवता इन्द्र थे।
- ऋग्वेद में इसे विभिन्न नामों से पुकारा गया है।
- उन्हें पुरंदर यानी किलों को नष्ट करने वाला कहा गया है।
- उन्हें एक युद्ध नेता के रूप में दर्शाया गया है।
- सिंधु घाटी के लोग देवी माँ, पशुपति शिव, लिंग और योनि की पूजा करते थे।
- ऋग्वैदिक काल के आर्यों ने घोड़े को पालतू बनाया था, जिसकी सहायता से वे युद्ध जीतते थे।

93. Answer A

- During the rainy season, Buddhist monks used to reside in Buddhist monasteries for four months.
- At this time the work of religious propagation was suspended.
- When the preaching work started again at the end of the rains, Buddhist monks used to organize a ceremony called Pavaran, in which future action plans were made considering the work done in the previous season.
- Additionally, monks used to confess the crimes they had committed in this ceremony.

94. Answer D

- Svetambara followers composed 12 angas in the first Jain Sangiti, which took place in Pataliputra in 310 BC.
- The Digambaras believed that Mahavir's teachings or the knowledge of the 12 limbs had been lost, so they did not participate in this meeting.
- The word 'Jaina' means follower of 'Jina', meaning victor.
- A person who has attained infinite knowledge and teaches others how to attain moksha.
- The First Jain Council was in the 3rd Century B.C. at Pataliputra.
- The Second Jaina Council was held at Vallabhi in the 5th century A.D.

Jainism divided into two sects in 300 CE:

- Digambara - Monks belonging to this sect do not wear any clothes.
- Shwetambara - Monks of this sect wear only white robes.

The Triratna of the Jaina doctrine consists of

Right faith

Right knowledge

Right conduct

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



93. उत्तर ए

- वर्षा ऋतु के दौरान बौद्ध भिक्षु चार महीने तक बौद्ध मठों में निवास करते थे।
- इस समय धार्मिक प्रचार-प्रसार का कार्य स्थगित कर दिया गया।
- वर्षा ऋतु के समाप्त होने पर जब उपदेश कार्य पुनः प्रारंभ होता था तो बौद्ध भिक्षु पवरण नामक समारोह का आयोजन करते थे, जिसमें पिछले सत्र में किये गये कार्यों को ध्यान में रखकर भविष्य की कार्ययोजना बनायी जाती थी।
- इसके अतिरिक्त, भिक्षु इस समारोह में अपने द्वारा किए गए अपराधों को स्वीकार करते थे।

94. उत्तर डी

- श्वेतांबर अनुयायियों ने पहली जैन संगीति में 12 अंगों की रचना की, जो 310 ईसा पूर्व में पाटलिपुत्र में हुई थी।
- दिगंबरों का मानना था कि महावीर की शिक्षाएँ या 12 अंगों का ज्ञान खो गया है, इसलिए उन्होंने इस बैठक में भाग नहीं लिया।
- 'जैन' शब्द का अर्थ है 'जिना' का अनुयायी, जिसका अर्थ है विजेता।
- एक व्यक्ति जिसने अनंत ज्ञान प्राप्त कर लिया है और दूसरों को मोक्ष प्राप्त करने का तरीका सिखाता है।
- पहली जैन परिषद तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में हुई थी। पाटलिपुत्र में।
- द्वितीय जैन संगीति 5वीं शताब्दी में वल्लभी में आयोजित की गई थी।

300 ई.पू. में जैन धर्म दो संप्रदायों में विभाजित हो गया:

- दिगंबर - इस संप्रदाय के साधु कोई वस्त्र नहीं पहनते।
- श्वेतांबर - इस संप्रदाय के भिक्षु केवल सफेद वस्त्र पहनते हैं।

जैन सिद्धांत के त्रिरत्न में शामिल हैं

सम्यक आस्था

सम्यक ज्ञान

सही आचरण



95. Answer A

- Maharishi Kapil is the founder of Sankhya philosophy.
- According to Samkhya philosophy, life is created and governed by the forces of nature.
- This philosophy believes in rational thinking and logic.
- Materialistic ideas also appear in the doctrines of the Ajivikas, a heterodox sect in the time of the Buddha.
- Charvaka was the main expounder of materialistic philosophy.
- This philosophy came to be known as the Lokayata, which means the ideas derived from the common people.
- By the beginning of the Christian era there are six schools of philosophy
- These were known as Samkhya, Yoga, Nyaya, Vaisheshika, Mimamsa and Vedanta.

96. Answer C

- Chola supremacy in the Dravidian country was actually established by Parantaka I.
- He defeated the Pandya king of Madura and assumed the title of 'Maduraikonda'.
- According to the Tanjore (present-day Thanjavur) inscription, the Sinhala (Sri Lanka) king Mahendra V formed a confederacy of Pandya, Kerala (Cher) kings against the Chola king Rajaraja I.
- To break this alliance, Rajaraja I first attacked the Chera kingdom (Kerala) and defeated it in the field of Kandalur.
- Rajaraja I and his son Rajendra I launched a military campaign against the Shailendra Empire of South-East Asia and conquered some territories.

95. उत्तर ए

- महर्षि कपिल सांख्य दर्शन के प्रवर्तक हैं।
- सांख्य दर्शन के अनुसार, जीवन प्रकृति की शक्तियों द्वारा निर्मित और संचालित होता है।
- यह दर्शन तर्कसंगत सोच और तर्क में विश्वास करता है।
- भौतिकवादी विचार आजीवकों के सिद्धांतों में भी दिखाई देते हैं, जो बुद्ध के समय का एक विधर्म संप्रदाय था।
- चार्वाक भौतिकवादी दर्शन के प्रमुख प्रतिपादक थे।
- इस दर्शन को लोकायत के नाम से जाना गया, जिसका अर्थ है आम लोगों से प्राप्त विचार।
- ईसाई युग की शुरुआत तक दर्शनशास्त्र के छह स्कूल थे
- इन्हें सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा और वेदांत के नाम से जाना जाता था।

96. उत्तर सी

- द्रविड़ देश में चोल वर्चस्व वास्तव में परान्तक प्रथम द्वारा स्थापित किया गया था।
- उसने मदुरा के पांड्य राजा को हराया और 'मदुरैकोंडा' की उपाधि धारण की।
- तंजौर (वर्तमान तंजावुर) शिलालेख के अनुसार, सिंहल (श्रीलंका) राजा महेंद्र वी ने चोल राजा राजराज प्रथम के खिलाफ पांड्य, केरल (चेर) राजाओं का एक संघ बनाया था।
- इस गठबंधन को तोड़ने के लिए राजराज प्रथम ने सबसे पहले चेर साम्राज्य (केरल) पर आक्रमण किया और कंडालूर के मैदान में उसे हरा दिया।
- राजराज प्रथम और उनके पुत्र राजेंद्र प्रथम ने दक्षिण-पूर्व एशिया के शैलेन्द्र साम्राज्य के विरुद्ध सैन्य अभियान चलाया और कुछ क्षेत्रों पर विजय प्राप्त की।

RACE IAS
General Studies

RACE IAS
Rajesh Academy for Civil Examinations



RACE IAS
General Studies

RACE IAS
Rajesh Academy for Civil Examinations



97. Answer A

- Sangam literature is the oldest extant piece of Tamil literature.
- The poems composed during the Sangam period provide insight into the social, economic, religious, etc. conditions of South India.
- Through Sangam poems we also get to know about the material culture of South India.
- The three chief Tamil kingdoms of this period were the Cheras, the Cholas, and the Pandyas.
- The social classification of varna was known to the Sangam poets.
- Tamil society, like North Indian society, was based on class discrimination, while Sangam poems described heroic valor as well as belief in magical powers.
- Sangam Poems are pervaded with a warrior ethic.
- Puram in Sangam literature is the War Poems that deal with the outer life of people.

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



97. उत्तर ए

- संगम साहित्य तमिल साहित्य का सबसे पुराना मौजूदा टुकड़ा है।
- संगम काल में रचित कविताएँ दक्षिण भारत की सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक आदि स्थितियों का परिचय देती हैं।
- संगम कविताओं के माध्यम से हमें दक्षिण भारत की भौतिक संस्कृति का भी ज्ञान होता है।
- इस काल के तीन प्रमुख तमिल साम्राज्य चेर, चोल और पांड्य थे।
- वर्ण के सामाजिक वर्गीकरण की जानकारी संगम कवियों को थी।
- तमिल समाज, उत्तर भारतीय समाज की तरह, वर्ग भेदभाव पर आधारित था, जबकि संगम कविताओं में वीरता के साथ-साथ जादुई शक्तियों में विश्वास का वर्णन किया गया था।
- संगम कविताएँ योद्धा नैतिकता से ओत-प्रोत हैं।
- संगम साहित्य में पुरम युद्ध कविताएँ हैं जो लोगों के बाहरी जीवन से संबंधित हैं।



98. Answer C

- The word 'Samantha' has been mentioned in Kautilya's Arthashastra in the sense of 'independent neighbour'.
- For the first time, Ashvaghosha(1st century AD) used this word for Vassal in Buddhacharita.
- The germination of the feudal system took place in the Shaka-Kushana period and by the Rajput period it became completely established in the society.
- Feudalism system in India found from Kushan period to Rajput period, Sultanate period and Mughal.
- It remained an integral part of the administrative system for a long time.
- During the peak period of this system, it had a deep impact on the political, social, economic and religious life of India.
- Due to the increasing influence of feudal lords on the administration, the central authority became extremely weak.
- For his power, the emperor became completely dependent on the feudal lords.
- The socio-economic reasons for the development of feudalism started becoming clear in the Shaka-Kushana era.
- At this time, a prosperous class of landlords arose in the villages, under whose control was a class of poor farmers.
- With this, foreign castes took the place of the elite ruling class.
- In this way lord-feudal relations developed.
- The Indian feudal system was different from the European feudal system.
- Government on land in India Ownership was prevalent, that is, from the feudal system came the administrative system of control and ownership of land.

98. उत्तर सी

- कौटिल्य के अर्थशास्त्र में 'सामन्था' शब्द का उल्लेख 'स्वतंत्र पड़ोसी' के अर्थ में किया गया है।
- पहली बार अश्वघोष (प्रथम शताब्दी ई.) ने बुद्धचरित में वासल के लिए इस शब्द का प्रयोग किया था।
- सामंती व्यवस्था का अंकुरण शक-कुषाण काल में हुआ और राजपूत काल तक यह समाज में पूर्ण रूप से स्थापित हो गई।
- भारत में सामंतवाद व्यवस्था कुषाण काल से लेकर राजपूत काल, सल्तनत काल और मुगल काल तक पाई गई।
- यह लम्बे समय तक प्रशासनिक व्यवस्था का अभिन्न अंग बना रहा।
- इस व्यवस्था के चरम काल में इसका भारत के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा।
- प्रशासन पर सामंतों के बढ़ते प्रभाव के कारण केन्द्रीय सत्ता अत्यंत कमजोर हो गई।
- अपनी सत्ता के लिए सम्राट पूर्णतः सामंतों पर निर्भर हो गया।
- शक-कुषाण युग में सामंतवाद के विकास के सामाजिक-आर्थिक कारण स्पष्ट होने लगे।
- इस समय गाँवों में जमींदारों का एक समृद्ध वर्ग उत्पन्न हो गया, जिसके नियंत्रण में गरीब किसानों का एक वर्ग था।
- इसके साथ ही कुलीन शासक वर्ग का स्थान विदेशी जातियों ने ले लिया।
- इस प्रकार स्वामी-सामंती संबंध विकसित हुए।
- भारतीय सामंती व्यवस्था यूरोपीय सामंती व्यवस्था से भिन्न थी।
- भारत में भूमि पर सरकार स्वामित्व का प्रचलन था, अर्थात् सामंती व्यवस्था से भूमि पर नियंत्रण एवं स्वामित्व की प्रशासनिक व्यवस्था आई।

RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



RACE IAS General Studies

RACE IAS General Studies
Rajesh Academy for Civil Examinations



99. Answer B

- Shreni had special importance in the economy of ancient India.
- These organizations were established by traders for the proper conduct of their business.
- The Shreni had judicial authority over their members and it was through the Shreni that the salaries, working rules, standards and prices of the members were determined.
- Each Shreni had its own chief.
- The king had no interference in the functioning of the Shreni; the Shreni made their own rules.
- Occasionally, Shreni (of merchants and artisans) came together in a joint organization, called the nigama, or the equivalent of a chamber of commerce and industry.
- Shreni also enjoyed great importance in local administration.

100. Answer D

- During the reign of Bindusara, Ashoka had conquered Avanti Mahajanapada and annexed it to the Mauryan Empire.
- It is mentioned in Buddha Ghosh's book named 'Samantapasadika'.
- It is known from Divyavadana that Ashoka was the Viceroy of Avanti (Ujjayini) during the reign of Bindusara.
- Avanti Mahajanapada was one of the 16 Mahajanapadas of India during the Buddha period.
- This Mahajanapada was situated in Malwa region.

It had two parts -

- Northern Avanti whose capital was Ujjaini.
- Southern Avanti whose capital was Mahishmati.

99. उत्तर बी

- प्राचीन भारत की अर्थव्यवस्था में श्रेणी का विशेष महत्व था।
- इन संगठनों की स्थापना व्यापारियों द्वारा अपने व्यापार के उचित संचालन के लिए की गई थी।
- श्रेणी को अपने सदस्यों पर न्यायिक अधिकार था और श्रेणी के माध्यम से ही सदस्यों के वेतन, कार्य नियम, मानक और कीमतें निर्धारित की जाती थीं।
- प्रत्येक श्रेणि का अपना मुखिया होता था।
- श्रेणि के कामकाज में राजा का कोई हस्तक्षेप नहीं था; श्रेणि ने अपने नियम बनाये।
- कभी-कभी, श्रेणी (व्यापारियों और कारीगरों के) एक संयुक्त संगठन में एक साथ आते थे, जिसे निगमा कहा जाता था, या वाणिज्य और उद्योग कक्ष के समकक्ष।
- श्रेणी को स्थानीय प्रशासन में भी बहुत महत्व प्राप्त था।

100. उत्तर डी

- बिन्दुसार के शासनकाल के दौरान, अशोक ने अवंती महाजनपद पर विजय प्राप्त की थी और इसे मौर्य साम्राज्य में मिला लिया था।
 - इसका उल्लेख बुद्ध घोष की 'समंतपसादिका' नामक पुस्तक में मिलता है।
 - दिव्यावदान से ज्ञात होता है कि बिन्दुसार के शासनकाल में अशोक अवंती (उज्जयिनी) का वायसराय था।
 - अवंती महाजनपद बुद्ध काल के दौरान भारत के 16 महाजनपदों में से एक था।
 - यह महाजनपद मालवा क्षेत्र में स्थित था।
- इसके दो भाग थे -

उत्तरी अवंती जिसकी राजधानी उज्जयिनी थी।

दक्षिणी अवंती जिसकी राजधानी महिष्मती थी।